

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண பாரதத் ராஷ்ட்ரமத் | தினமணி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बंगलूरु से एक साथ प्रकाशित



5 माजपा आरक्षण को न हटाएगी, न हटाने देगी : अमित शाह

6 सदैव अनुकरणीय रहेंगे भगवान श्रीराम के आदर्श

7 सिद्धार्थ से मिलने से पहले मैंने कभी शादी के बारे में नहीं सोचा था : विद्या बालन

फ़र्स्ट टेक

कृष्ण जन्मभूमि मामले में हिंदू पक्ष की बहस शुरू, अगली सुनवाई 22 को

प्रयागराज/भाषा। मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि और शाही इंडागह विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में मंगलवार को हिंदू पक्ष ने अपनी बहस शुरू की और सुनवाई के बाद अदालत ने अगली तिथि 22 अप्रैल, 2024 तय की। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन द्वारा की जा रही है। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने मंगलवार को कहा कि यह वाद पोषणीय है और पूजा स्थल अधिनियम एवं वक्फ अधिनियम के संबंध में अर्जी पक्षों के साक्ष्यों से ही निर्धारित हो सकती है। जैन ने कहा कि महज वाद कहने से कि वहां एक मस्जिद है, वक्फ अधिनियम लागू नहीं होगा। संपत्ति का धार्मिक चरित्र महज दांचे को धरस्त कर बदला नहीं जा सकता, यह देखना जरूरी है कि क्या कथित वक्फ विलेख (डीड) वैध है या नहीं। ये सभी चीजें मुकदमे में देखी जानी चाहिए और मौजूदा वाद पोषणीय है। समय सीमा की बाधता के सवाल पर उन्होंने कहा कि मौजूदा वाद समय सीमा के भीतर दाखिल किया गया है। वर्ष 1968 का कथित समझौता वादी के संज्ञान में 2020 में आया और संज्ञान में आने के तीन साल के भीतर यह वाद दायर किया गया है। इसके साथ ही यदि सेवायत या ट्रस्ट लापरवाह है और अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर रहा है तो देवता अपने अगले मित्र के जरिए आगे आ सकते हैं और वाद दायर कर सकते हैं और ऐसे में समय सीमा का सवाल ही नहीं उठता।

शीर्ष अदालत ने रामदेव, बालकृष्ण को सार्वजनिक मार्गों मांगने की अनुमति दी

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु रामदेव और उनके सहयोगी बालकृष्ण को एलोपैथी को नीचा दिखाने के किसी भी प्रयास के खिलाफ मंगलवार को चेतावनी दी और उन्हें पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन मामले में अवमानना कार्यवाही में एक सप्ताह के भीतर सार्वजनिक मार्गों मांगने और पश्चात दिखाने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने हालांकि, यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह अभी उन्हें इस चरण में राहत नहीं देने जा रही है। शीर्ष अदालत 2022 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें कोविड टीकाकरण और चिकित्सा की आधुनिक पद्धतियों के खिलाफ एक दुष्प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है। रामदेव और बालकृष्ण दोनों व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे और दोनों की ओर से पेश हुए वकील ने बिना शर्त माफी मांगी।

घुसपैठियों को संरक्षण देने वाली तृणमूल कांग्रेस सीएए का विरोध करती है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

बालुरघाट/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है, लेकिन शरणार्थियों को नागरिकता देने वाले कानून 'सीएए' का विरोध कर रही है। मोदी ने बालुरघाट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल को गुंडों और घुसपैठियों को 'पट्टे' पर दे दिया है। प्रधानमंत्री ने राज्य में रामनवमी समारोह का कथित तौर पर विरोध करने के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल की आलोचना की और कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले को 'सच्चाई की जीत' करार दिया,

जिसमें विश्व हिंदू परिषद (विहिप) को हावड़ा में शोभायात्रा निकालने की अनुमति दी गई थी। मोदी ने कहा, 'इस साल का रामनवमी समारोह थोड़ा अलग है क्योंकि रामलला अयोध्या में अपने घर लौट आए हैं। लेकिन टीएमसी, पिछले वर्षों की तरह राज्य में रामनवमी समारोहों का विरोध कर रही है।' उच्च न्यायालय ने सोमवार को विहिप को हावड़ा शहर में रामनवमी पर शोभायात्रा निकालने की अनुमति दे दी थी। साथ ही अदालत ने यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ शर्तें भी लगाई थी कि कार्यक्रम बिना तनाव के संपन्न हो सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि संदेशखालि में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं से पूरा देश स्तब्ध है। उन्होंने कहा, देश ने देखा है कि कैसे टीएमसी सरकार ने संदेशखालि में दोषियों को बचाने की कोशिश की। संदेशखालि में

हाल में महिलाओं ने कुछ टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। प्रधानमंत्री ने कहा, राज्य में भ्रष्टाचार और अपराध बढ़े पैमाने पर हैं। यहां तक कि जब केंद्रीय एजेंसियां इन भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने की कोशिश करती हैं तो उन पर भी हमला किया जाता है। ऐसा लगता है कि टीएमसी ने राज्य को घुसपैठियों और गुंडों को पट्टे पर दे दिया है। मोदी ने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार घुसपैठियों को बचाती है, लेकिन नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध करती है, जो शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करता है। ऐसे अभियानों से गुमराह न हों। वे निहित राजनीतिक हितों के लिए झूठ और अफवाहों का सहारा लेते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में सीएए लागू नहीं होने देने का संकल्प जताया है। मोदी ने आरोप

लगाया, टीएमसी शासन में बंगाल भ्रष्ट व्यक्तियों और जबरन वसूली करने वालों के लिए स्वर्ग बन गया है। प्रधानमंत्री ने राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित हिंसा का मुद्दा भी उठाया और टीएमसी पर 'डराने और धमकाने' की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया, बंगाल में लगभग राजाना भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है और उनकी हत्या की जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी लागू होने के बाद से राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी असहज हो गई है। मोदी ने कहा, उन्होंने (टीएमसी) बंगाल के लोगों को केंद्रीय योजनाओं के लाभ से वंचित कर दिया है। टीएमसी के विरोध के बावजूद, मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि मैं अगले पांच वर्षों में बंगाल को विकसित करने का प्रयास करूंगा।



दिल जीतने में विश्वास करती है भाजपा, कश्मीर में 'कमल' खुद ही खिलेगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि जम्मू कश्मीर में सबसे ज्यादा फर्जी मुठभेड़ और युवाओं पर गोलीबारी की घटनाएं उनके शासन के दौरान हुईं। शाह ने प्रतिद्वंद्वी दलों के इस आरोप को खारिज किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कश्मीर के लोकतंत्र को बढ़ने नहीं दिया... सुरक्षा के बहाने हमारे कश्मीरी युवाओं का शोषण किया गया। मैं (नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष) फारुक अब्दुल्ला और पीडीपी से पूछना चाहता हूँ - जिनके शासन में सबसे ज्यादा फर्जी मुठभेड़ हुए, ये तीन पार्टियां हैं जिन्होंने कश्मीर के बच्चों पर गोली चलाई और उनके हाथ में बंदूक थमायी।



गृह मंत्री ने कहा कि हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्राधान्य निरस्त करने के बाद आतंकवाद, पथराव और पाकिस्तान प्रायोजित हमलों को खत्म करके शांति बहाल की और विकास सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा, मोदीजी ने जम्मू कश्मीर में शांति बहाल की। पिछले 70 वर्षों से आतंकवाद और आंदोलन के कारण जम्मू कश्मीर पिछड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, मोदी ने आतंकवाद, फर्जी मुठभेड़, पथराव और पाकिस्तान प्रायोजित हमलों को खत्म करने के लिए कदम उठाये, जिससे जम्मू कश्मीर में विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। भाजपा के प्रतिद्वंद्वी दलों ने लोगों से भाजपा और उससे जुड़े संगठनों को वोट न देने के लिए कहा है और उनका दावा है कि सत्तारूढ़ दल को कश्मीर के लोगों के कल्याण से अधिक रुचि कश्मीर की जमीन

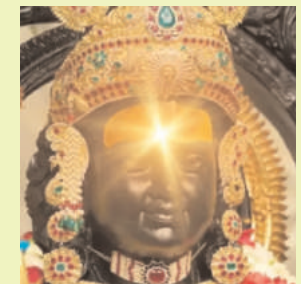
में है। शाह ने एक चुनावी सभा में कहा, मैं कश्मीरी युवाओं के बीच पैदा की जा रही इन गलतफहमियों को दूर करना चाहता हूँ कि भाजपा कश्मीर की जमीन जबरदस्ती छीनना चाहती है। भाजपा उन लोगों में से नहीं है जो जमीन पर जबदस्ती कब्जा करते हैं, बल्कि वह लोगों का दिल जीतने में विश्वास करती है। शाह यहां जुगल किशोर के समर्थन में आयोजित एक रैली को संबोधित कर रहे थे जो जम्मू संसदीय क्षेत्र से तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। शाह ने कहा कि भाजपा को कोई जल्दबाजी नहीं है क्योंकि वह जानती है कि लोगों के प्यार से पार्टी का चिह्न 'कमल' घाटी में अपने आप खिलेगा।

उन्होंने कश्मीर में लोगों से कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी को वोट नहीं देने की अपील करते हुए कहा कि इन दलों ने पिछले सात दशकों में उनका शोषण किया है। गृह मंत्री ने कहा कि 'कमल' को वोट मोदी के लिए वोट है जिसकी सरकार के तहत जम्मू कश्मीर देश के सभी हिस्सों में सबसे अधिक लाभान्वित हो रहा है।

रामनवमी पर अयोध्या में रामलला के 'सूर्य तिलक' के लिए तैयारी पूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भगवान श्री रामलला के 'सूर्य तिलक' के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। बुधवार को रामनवमी के दिन दोपहर के समय सूर्य की किरणों रामलला के मस्तक पर पड़ेगी और दर्पण व लेंस से जुड़े एक विस्तृत तंत्र द्वारा उनका 'सूर्य तिलक' संभव हो सकेगा। अयोध्या में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में नए मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्रतिष्ठा के बाद यह पहली रामनवमी होगी। इस प्रणाली का परीक्षण वैज्ञानिकों ने मंगलवार को किया। इसे 'सूर्य तिलक परियोजना' का नाम दिया गया है।



वरिष्ठ वैज्ञानिक के अनुसार, नियोजित तिलक का आकार 58 मिमी है। उन्होंने बताया कि रामलला के मस्तक के केंद्र पर तिलक लगाने की सही अवधि लगभग तीन से साढ़े तीन मिनट है, जिसमें दो मिनट पूर्ण रोशनी होती है। इस बीच, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, सूर्य तिलक के दौरान, भक्तों को राम मंदिर के अंदर जाने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए मंदिर ट्रस्ट द्वारा लगभग 100 एलईडी और सरकार द्वारा 50 एलईडी लगाई जा रही हैं। जो रामनवमी समारोह को दिखाएगा, लोग जहां मौजूद हैं वहां से उत्सव देख सकेंगे। सूर्य तिलक के लिए राम मंदिर में ऑप्टिको-मैकेनिकल प्रणाली लागू करने से पहले, रुड़की इलाके के लिए उपयुक्त एक छोटा मॉडल सफलतापूर्वक मान्य किया गया है। मार्च 2024 में बंगलूरु में ऑप्टिको साइट पर एक पूर्ण पैमाने के मॉडल को सफलतापूर्वक मान्य किया गया है। पाणिग्रही ने कहा कि सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई), रुड़की के एक

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-सीबीआरआई रुड़की के वैज्ञानिक डॉ एस के पाणिग्रही ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 'सूर्य तिलक परियोजना का मूल उद्देश्य रामनवमी के दिन श्री राम की मूर्ति

प्रधानमंत्री चार जून के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई तेज करेंगे : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

रामनाथपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार को तमिलनाडु में रामनाथपुरम जिले के परमकुडी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्निरसेल्वम के समर्थन में रोडशो किया। अनाद्रम्यक से निष्कासित पन्निरसेल्वम भाजपा नीत राजग के तहत निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में रामनाथपुरम से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। तमिलनाडु में 19 अप्रैल को मतदान होगा। राज्य में सत्तारूढ़ दल

द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (द्रमुक) पर कथित भ्रष्टाचार को लेकर निशाना साधते हुए नड्डा ने इस पार्टी के लोगों पर 'बालू घोटाले' में लिप्त होने का आरोप लगाया और कहा कि द्रमुक का मतलब - डी यानी डायनेटी (वंशवाद), एप यानी मनी स्विडलिंग (पैसे की हेराफेरी) और के यानी कट्टाप्रचायत (कंगारू अदालत) है। उन्होंने कहा कि चार जून के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई तेज कर देंगे तथा ये सभी लोग जेल में होंगे या जमानत पर होंगे। देश में सात चरणों में लोकसभा चुनाव होने के बाद चार जून को मतदान होगा। नड्डा ने विशेष रूप से तैयार किये

गये एक खुले वाहन में सवार होकर रोड शो किया। उन्होंने पन्निरसेल्वम की तारीफ करते हुए उन्हें ऐसा वरिष्ठ नेता बताया जो अनुभवी एवं परिपक्व हैं तथा जिन्होंने तमिलनाडु की खालि संघर्ष किया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी ने कोष आवंटन में इस दक्षिणी राज्य के साथ विशेष उदारता' बरती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने तमिल संस्कृति एवं भाषा को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पृष्ठपाया। उन्होंने यह भी कहा कि राजग के पिछले एक दशक के शासनकाल में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में तेज छलांग लगायी है तथा 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाया गया है।



सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी के मामले में दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

मुंबई/भुज/भाषा। मुंबई में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर कथित तौर पर गोलीबारी करने वाले एक व्यक्ति समेत दो लोगों को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कच्छ-पश्चिम के उप महानिरीक्षक महेंद्र बागड़िया ने बताया कि बिहार के रहने वाले विकी गुना (24) और सागर पाल (21) को सोमवार देर रात गुजरात के कच्छ जिले के माता

नो माध गांव से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि तकनीकी निगरानी के आधार पर कच्छ-पश्चिम और मुंबई पुलिस के संयुक्त दल ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। बागड़िया ने बताया कि आरोपियों को मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया क्योंकि शिकायत वहां दर्ज है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पाल और गुना दोनों को जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिशोई के गिरोह ने सलमान के घर पर गोलीबारी करने के लिए कहा था। बागड़िया ने बताया कि जब पाल ने गोलीबारी की, तो गुना गिरोह के सदस्यों के संपर्क में था।

मोदी के शासन में मुसलमानों के साथ कोई भेदभाव नहीं : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत देश में मुस्लिम समुदाय के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीबों की भलाई पर ध्यान केंद्रित किया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कांग्रेस पर लोगों को पंथ, जाति और धर्म के नाम पर बांटने का आरोप लगाया और कहा कि

भाजपा देश को एकजुट करने और इसे आगे ले जाने में विश्वास करती है। किश्तवाड़ जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा, 2014 से पहले मुसलमानों से कहा जा रहा था कि अगर मोदी सत्ता में आए तो तुम्हें खत्म कर दिया जाएगा...क्या आपने मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव करते देखा है? जब केंद्र सरकार की योजनाओं और मुफ्त राशन और मुफ्त इलाज जैसी सुविधाओं का लाभ उठाने की बात आती है तो क्या किसी ने आपसे पूछा है कि आप मुस्लिम हैं, हिंदू हैं या सिख हैं? किश्तवाड़ पंचमपुर संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है, जहां भाजपा उम्मीदवार और



केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी और विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के उम्मीदवार चौधरी लाल सिंह सहित 11 अन्य उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करने के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा। भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में तीसरी बार यहां वोट मांगने पहुंचे ठाकुर ने कहा, मोदी सरकार सबका

साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के आदर्श वाक्य के साथ काम कर रही है और गरीबों की सेवा, सुशासन और कल्याण के लिए समर्पित है जिसे अगले पांच वर्षों में और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 की आड़ में जम्मू-कश्मीर में अपने अधिकारों से वंचित लोगों सहित सभी के लिए न्याय सुनिश्चित किया। कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि उसके नेता राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी दावा कर रहे हैं कि अगर मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटें तो संविधान बदल देंगे। ठाकुर ने कहा, संविधान हमें

वी.आर. अंबेडकर द्वारा दिया गया था जिन्का हम बहुत आदर करते हैं और उनका सम्मान करते हैं। यह कांग्रेस ही थी जिसे संविधान के कड़े वाले (कश्मीर), चीन (अक्सार्डि चिन) और शीलका (क्यालितु डीप) को जमीन देकर राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता करने का आरोप लगाया। ठाकुर ने कहा, हम अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं और कांग्रेस के विपरीत भारत हमारे लिए पहले है।

17-04-2024 सुबह 6:22 बजे

18-04-2024 सुबह 5:56 बजे

BSE 72,943.68 (-456.10)

NSE 22,147.90 (-124.60)

सोना 7,640 रु. (24 कैरट) प्रति बाम

चांदी 90,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मैं क्या बोलूँ

मैं कहां प्रेम से 'राम-राम' तो, लागती उनकी बात जफा... मैं 'अब्बा हो अकबर' बोलूँ, तो अपने होते खफा-खफा। मैं 'वाहेयुक्त' 'जीसस' बोलूँ, सब करते मुझको रफा-दफा। मैं क्या बोलूँ जिससे हो बस, मेरे भारत का सिर्फ नफा।

*जफा- अत्याचार/जुलूम

500 साल बाद अपनी जन्मभूमि पर जन्मोत्सव मनाएंगे श्री रामलला : योगी आदित्यनाथ



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिजनौर/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि कल (बुधवार) रामनवमी का दिन है यानी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्मदिन है और 500 साल बाद पहली बार श्री रामलला अपनी जन्मभूमि पर जन्मोत्सव मनाएंगे। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को नगीना के लोकसभा प्रत्याशी ओम कुमार के समर्थन में नहरौर में एक जनसभा को संबोधित किया और लोगों से उन्हें वोट देने की अपील की। उन्होंने नवरात्र की अष्टमी के साथ ही रामनवमी की अंतिम बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत

एकमात्र ऐसा देश है, जहां आराध्य को अपनी जन्मभूमि के लिए प्रमाण देना पड़ा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस व समाजवादी पार्टी ने हमारी आस्था को संकटग्रस्त करने का प्रयास किया, लेकिन सनातन समाज प्रभु राम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के लिए कृत संकल्पित था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण उसे सफलता प्राप्त हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने सरकार बनाने में योगदान दिया इसलिए यह श्रेय आपको जाता है। उन्होंने कहा कि सही दिशा में किया गया एक वोट तस्वीर और तकदीर बदल देता है, गलत दिशा में गया वोट पहचान का संकेत खड़ा कर देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि

कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) दलदल में डूबे दल हैं और उन्हें अच्छाई से नफरत है। उन्होंने कहा कि ये तीनों दल माफिया-अपराधियों को गले का हार बनाते हैं, उनका महिमा मंडन करते हैं, उनके घरों में जाकर फातिहा पढ़ते हैं, लेकिन कोई निर्दोष हिंदू दुर्घटना का शिकार हो जाता है तो इनके मुख से संवेदना के शब्द तक नहीं निकलते। उन्होंने कहा, हम आम नागरिकों को राम-राम करते हैं और माफिया-अपराधियों का राम नाम सत्य करते हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि ओम कुमार दो बार से विधायक हैं और वे अपने क्षेत्र में खूब कार्य कर रहे हैं, इसलिए उन्हें दिल्ली पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता।

किसानों का राजनीतिक दलों से मोहभंग हो गया है, लेकिन अपनी लड़ाई जारी रखेंगे : राकेश टिकैत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। किसान नेता राकेश टिकैत ने सभी राजनीतिक दलों से किसानों का 'मोहभंग' होने का दावा करते हुए मंगलवार को कहा कि लोगों को लोकसभा चुनाव में अपने विवेक का इस्तेमाल कर सही उम्मीदवार के लिए मतदान करना चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल को खुला समर्थन देने से इनकार करते हुए टिकैत ने कहा कि जब आदर्श आचार संहिता लागू है तो वह अपनी पत्नी तक से नहीं कहेंगे कि कैसे वोट देना है, लेकिन जो लोग उन्हें (टिकैत को) जानते हैं उन्हें पहले से पता है कि कौन सी पार्टी या उम्मीदवार किसानों के लिए अच्छा है। टिकैत ने दावा किया कि लोग

भाजपा को वोट नहीं देंगे लेकिन पार्टी फिर भी जीत सकती है। उन्होंने चुनाव में धांधली होने का आरोप लगाया। वह, अब रद्द किये जा चुके तीन कृषि कानूनों के खिलाफ 2020-21 के किसान आंदोलन के एक प्रमुख नेता थे। भारतीय किसान यूनियन के नेता ने दावा किया कि भाजपा मजदूर एक राजनीतिक पार्टी नहीं रह गई है, यह उन बड़े उद्योगपतियों के लिए एक मोर्चा बन गई है जो किसानों की जमीन हड़पना चाहते हैं। टिकैत ने कहा, 'किसानों का मोहभंग हो गया है लेकिन वे हताश नहीं हैं।'

कानूनी प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने वाले कदम उठाना सही नहीं : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों द्वारा सरकार पर उसके नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाये जाने के बीच निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा कि वह सभी पार्टियों को समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसा कोई कदम उठाना सही नहीं है जो कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया में आड़े आ सकता है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के कई घटक दलों ने सरकार पर उनके नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग का रुख किया था।

कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी दलों ने सरकार पर नये सिरे से हमले शुरू कर दिए। उन्होंने सरकार पर लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी नेताओं की आवाज बंद करने का आरोप लगाया। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि जड़ राजनीतिक व्यक्तियों से जुड़े मौजूदा 'स्थिति' वाले ऐसे मामले उसके सामने आते हैं जिनमें अदालतों द्वारा जांच की जा रही है तो वह संवैधानिक विवेक के अनुसार निर्णय लेता है। आयोग ने कहा, आयोग राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को समान अवसर देने व उनके प्रचार अधिकार की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है लेकिन ऐसा कोई भी कदम उठाना सही नहीं होगा, जिससे कानूनी न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पहुंचती हो। आयोग ने कहा कि वह ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं है, लेकिन उसने पहली बार आदर्श आचार संहिता (एससीसी) लागू होने के पहले महीने में इसके क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी सार्वजनिक रूप से जारी की है जिसमें उठाए गए कदमों की जानकारी भी है।

प्रधानमंत्री पहले खुद आईना देखें : ममता बनर्जी



जलपाईगुड़ी/भाषा। पश्चिम बंगाल में केंद्रीय दलों द्वारा की जा रही भ्रष्टाचार संबंधी जांच पर भेलपत्र जारी करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

को पहले खुद आईना देखना चाहिए। जलपाईगुड़ी जिले के मोड़नागुड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ रही है, जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस उसके साथ मिलकर काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा, 'भाजपा ने बंगाल में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए करीब 300 केंद्रीय दलों को भेजा था लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। अब प्रधानमंत्री मोदी को बंगाल की जनता को जवाब देना होगा कि मनरेगा की धनराशि का क्या हुआ? गरीब लोगों ने योजना के तहत काम किया लेकिन उन्हें भुगतान नहीं किया गया।' बनर्जी ने कहा, 'प्रधानमंत्री कहते हैं कि तृणमूल कांग्रेस भ्रष्ट पार्टी है। पहले उन्हें आईना देखना चाहिए। उनकी पार्टी में डकैत भरे पड़े हैं।' उन्होंने भाजपा को बंगाली विरोधी पार्टी' बताया और आरोप लगाया कि वह एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) की आड़ में 'आदिवारियों, दलितों तथा ओबीसी को बाहर करने की योजना बना रही है।' बनर्जी ने कहा, हम बंगाल में एनआरसी लागू नहीं होने देंगे। माकपा और कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, बंगाल में केवल तृणमूल कांग्रेस ही भाजपा से लड़ रही है, जबकि अन्य दलों विपक्षी दल उसके साथ काम कर रहे हैं। हम राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के साथ हैं, लेकिन देश को बचाने के लिए बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को जीतना होगा।

कांग्रेस के बैंक खातों पर जब प्रतिबंध लगाया गया, तब चुनाव आयोग 'चुप्पी' साधे रहा : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



कतुआ/भाषा। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने यहां एक स्टार प्रचारक के रूप में प्रचार अभियान के दौरान निर्वाचन आयोग (ईसी) पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि जब मुख्य विपक्षी दल के खातों पर लेन-देन संबंधी रोक लगाई गई और निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को जेल भेज दिया गया, तब आयोग 'चुप्पी साधे' रहा। उधमपुर लोकसभा क्षेत्र से अपनी पार्टी के उम्मीदवार चौधरी लाल सिंह के लिए प्रचार करते हुए पायलट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर विकास के मोर्चे पर अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए धर्म के आधार पर 'राजनीति' करने का आरोप लगाया।

पायलट ने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, निर्वाचन आयोग मूकदर्शक बन कर देख रहा है। चंडीगढ़ के महापौर पद के चुनाव के सिलसिले में हर्मन्याय के लिए उद्यम न्यायालय जाना पड़ा और हर्मन्याय मिला। उन्होंने कांग्रेस के खाते सील कर दिए,

बताना चाहता हूं कि मीडिया और सोशल मीडिया जो दिखा रहा है, वह सच नहीं है। सच्चाई यह है कि भाजपा सरकार के 10 साल के शासन पर लोग सवाल उठा रहे हैं। लोग भाजपा सरकार के 10 साल के शासन का जमीनी रिपोर्ट कार्ड मांग रहे हैं। पायलट ने कांग्रेस के घोषणापत्र पर प्रकाश डालते हुए पांच प्रमुख घोषणाओं का उल्लेख किया जिसमें यह गारंटी भी शामिल है कि गरीब परिवारों की महिलाओं के खाते में सालाना एक लाख रुपये जमा किए जाएंगे। उन्होंने कहा, उपराज्यपाल के शासन में बाहरी लोग जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। जिन जमीनों पर खेती की जा रही है, उन्हें (स्थानीय) लोगों से छीनकर बाहरी लोगों 4को दिया जा रहा है। पायलट ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों पर भाजपा नेताओं की टिप्पणियों को लेकर उन पर निशाना साधते हुए कहा, मैं आपको बताना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव इस साल सितंबर से पहले होंगे। ऐसा सरकार नहीं कह रही है बल्कि यह उद्यम न्यायालय का आदेश है। उन्होंने कहा कि इसी तरह राम मंदिर का निर्माण उद्यम न्यायालय के फैसले के बाद हुआ।

निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को जेल में डाल दिया और विपक्ष का गला घोटने की कोशिश की। उन्होंने राजनीतिक लाभ की खातिर धर्म का कथित तौर पर उपयोग करने को लेकर भाजपा नेताओं की आलोचना करते हुए कहा, वे अपनी राजनीति को मंदिर-मस्जिद, हिंदू-मुस्लिम, हिंदुस्तान और पाकिस्तान जैसे मुद्दों के आसपास केंद्रित करते हैं। लेकिन स्कूल, कॉलेज, अस्पतालों, अर्थव्यवस्था, रोजगार, महिलाओं, युवाओं, किसानों और मंहगाई से संबंधित मुद्दों में उनकी कोई रुचि नहीं है। पायलट ने दावा किया कि पूरे देश में बदलाव की लहर चल रही है।

उन्होंने कहा, 'मैं आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़ गया। मैं आपको



वंदे भारत ट्रेन से आमदनी का अलग रिकॉर्ड नहीं रखता रेलवे, आरटीआई से पता चला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्रालय वंदे भारत रेलगाड़ियों से आमदनी का अलग रिकॉर्ड नहीं रखता है। यह जानकारी सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दायर एक आवेदन के जवाब में दी गई है।

मध्य प्रदेश निवासी चंद्रशेखर गौड़ ने यह जानना चाहा था कि रेल मंत्रालय ने पिछले दो वर्षों में वंदे भारत रेलगाड़ियों से कितना राजस्व अर्जित किया है और क्या इनके संचालन से कोई लाभ या हानि हुई है। रेल मंत्रालय ने अपने जवाब में कहा, ट्रेन के हिसाब

से राजस्व रिकॉर्ड नहीं रखा जाता। वंदे भारत देश की पहली सेमी-हाई स्पीड ट्रेन है जिसे 15 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली और वाराणसी के बीच हरी झंडी दिखाई गई थी।

आज 102 वंदे भारत ट्रेन 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 284 जिलों से होकर 100 मार्गों पर चलती हैं। रेलवे अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि अब तक दो करोड़ से अधिक लोगों ने वंदे भारत ट्रेन से यात्रा की है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में वंदे भारत रेलगाड़ियों द्वारा तय की गई दूरी पृथ्वी के 310 खंड लगाने के बराबर है। गौड़ ने आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि रेलवे वंदे भारत ट्रेन से यात्रा करने वाले

लोगों की संख्या और संबंधित रेलगाड़ियों द्वारा तय की गई दूरी का रिकॉर्ड रखता है, लेकिन राजस्व सृजन के संबंध में सबसे महत्वपूर्ण जानकारी नहीं रखता। उन्होंने कहा, रेलवे अधिकारी एक वर्ष में वंदे भारत रेलगाड़ियों द्वारा तय की गई दूरी की गणना पृथ्वी के चारों ओर कुल चक्करों के बराबर कर सकते हैं, लेकिन उसके पास इन ट्रेन से एकत्र हुए कुल राजस्व की गणना नहीं है। गौड़ ने कहा, रेलवे के लिए वे भारत ट्रेन से राजस्व की स्थिति का अलग रिकॉर्ड रखना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि ये भारत की पहली सेमी-हाई स्पीड नई पीढ़ी की ट्रेन हैं और इनकी लाभप्रदता से वास्तविक लोकप्रियता स्थापित होगी।



यह चुनाव उन्हें सजा देगा जो संविधान के खिलाफ हैं : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गया/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर अफवाहें फैलाने के संविधान को राजनीतिक हथकंडे के तौर पर इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि यह चुनाव उन्हें सजा देगा जो संविधान के खिलाफ हैं एवं देश को 'विकसित भारत' बनाने के केंद्र के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने राजद और कांग्रेस सहित विपक्षी नेताओं पर संविधान के साथ राजनीति करने का भी आरोप लगाया। बिहार के गया जिले में एक चुनाव रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, यह

''व्युत्पन्न घमंडिया'' गठबंधन के नेताओं को सजा देगा। यह चुनाव उन्हें सजा देगा जो संविधान के खिलाफ हैं एवं देश को 'विकसित भारत' बनाने के केंद्र के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं।'

मोदी विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडि) को अक्सर 'घमंडिया' गठबंधन कहते हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हिंदुस्तानी आवाज मोर्चा (एएएम) के संस्थापक जीतन राम मांझी गया लोकसभा सीट से राजग के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव 'विकसित भारत' और 'विकसित बिहार' के लिए है। उन्होंने कहा, कांग्रेस और उसके सहयोगी मुझे अपमानित करने के

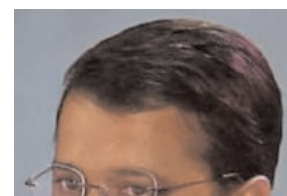
लिए संविधान के नाम पर झूठ बोल रहे हैं। राजग संविधान का सम्मान करता है। मोदी और भाजपा तो क्या स्वयं बाबा साहेब अंबेडकर भी इस संविधान को नहीं बदल सकते हैं, इसलिए विपक्ष झूठ फैलाना बंद करे।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'मोदी को देश का यह पद राजेंद्र बाबू और बाबा साहेब अंबेडकर का दिया हुआ है जिन्होंने संविधान का निर्माण किया। यह संविधान न होना तो कभी ऐसे पिछड़े परिवार में पैदा हुआ गरीब का एक बेटा देश का प्रधानमंत्री नहीं बन सकता था।'

मोदी ने कहा कि वे (विपक्षी नेता) सनातन धर्म को 'डेंगू और मलेरिया' कहते हैं। उन्होंने कहा, वे तो एक भी सीट के हकदार नहीं हैं... उन्हें सजा मिलनी चाहिए।'

मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है, मैं आतंकवादी नहीं हूँ : तिहाड़ जेल से दिल्ली के मुख्यमंत्री का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने तिहाड़ जेल से नागरिकों के लिए एक संदेश जारी कर कहा है मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं कोई आतंकवादी नहीं हूँ। सिंह ने जेल में बंद केजरीवाल के साथ किये जा रहे कथित व्यवहार को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की।

सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रतिशोध और दुर्भावना के चलते उन्हें तोड़ना चाहती है, लेकिन वह इन सबसे और अधिक मजबूत होकर उभरेंगे।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने आरोप लगाया कि तिहाड़ जेल में बंद एक 'कुख्यात अपराधी' को बैरक में अपने वकील और पत्नी से मिलने की अनुमति दी गई, जबकि केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगतवंत मान की मुलाकात में मुलाकात कराई जाती है। हालांकि, उन्होंने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया।

महानिदेशक (जेल) संजय बेनीवाल ने सोमवार को कहा था कि कैदियों के साथ व्यवहार में कोई भेदभाव नहीं किया जाता है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि उन्हें समान मूल अधिकार मिलें। मान ने सोमवार को तिहाड़ जेल में केजरीवाल से मुलाकात की और आरोप लगाया कि उन्हें वहां से सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं जिन्हें एक कष्टर अपराधी को भी मुहैया कराने की अनुमति है।

जंगल में चल रहे पटाखा कारखाने में विस्फोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में जंगली इलाके के खेत में चल रहा जा रहे पटाखा कारखाने में मंगलवार को विस्फोट में तीन मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हर्दा के पटाखा कारखाने में छह फरवरी को भीषण विस्फोट के महज 70 दिन बाद इंदौर के पटाखा कारखाने में विस्फोट हुआ। इस घटना ने सूबे में पटाखा कारखानों के संचालन और इनमें आग से बचाव के इंतजामों की सरकारी निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस

उपाधीक्षक (डीएसपी) उमाकांत चौधरी ने बताया कि महु थाना क्षेत्र के आम्बा चंदन गांव से करीब पांच किलोमीटर दूर जंगली इलाके में चल रहा जा रहे कारखाने में रस्सी बम बनाए जाने के दौरान हुए विस्फोट में रोहित परमानंद (20), अर्जुन राठौर (27) और उमेश चौहान (29) झुलस गए। चौधरी ने बताया कि झुलसे मजदूरों में शामिल रोहित इंदौर जिले का निवासी है, जबकि राठौर और चौहान महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के रहने वाले हैं। डीएसपी ने बताया कि तीनों घायलों को इंदौर के चोडथराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। चोडथराम हॉस्पिटल के एक अधिकारी ने बताया कि पटाखा

तीन मजदूर गंभीर रूप से झुलसे

कारखाने के तीनों मजदूर औसतन 70 प्रतिशत तक जल गए हैं और धमाके के बाद दूर जा गिरने से इनमें से एक श्रमिक की हड्डियां भी चोटिल हुई हैं। उन्होंने बताया कि तीनों मजदूरों की 'हालत गंभीर' है। विस्फोट की प्रत्यक्षदर्शी जाहदा ने बताया, मैंने देखा कि कारखाने में अचानक धमाका हुआ और कारखाना पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने बताया कि घायल मजदूरों के मुताबिक पटाखा कारखाने में किसी चीज पर पैर पड़ जाने के बाद विस्फोट हुआ। प्रत्यक्षदर्शी महिला ने बताया कि कारखाने में रस्सी बम

बनाए जाने के लिए अलग-अलग रसायन मिलाकर बारूद तैयार किया जाता था। पुलिस के मुताबिक यह कारखाना इंदौर से सटे राज् करके का निवासी शाकिर खान चला रहा था। मौके पर पहुंचे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) रूपेश कुमार द्विवेदी ने बताया, पटाखा कारखाना जंगली इलाके में चार बीघा में फैले एक खेत में चलाया जा रहा था। शुरूआती तौर पर पता चला है कि कारखाने का लाइसेंस 31 मार्च तक वैध था। लाइसेंस की वैधता को लेकर जांच जारी है। चश्मदीनों ने बताया कि पटाखा कारखाना लोहे

के तारों से बनाई गई चहारदीवारी के अंदर चलाया जा रहा था और इसमें टीन की चादरों से कमरेनुमा ढांचे तैयार किए गए थे। उन्होंने बताया कि विस्फोट के बाद कारखाना परिसर में आग लग गई और टीन की चादरों के दूर जाकर गिरने से यह परिसर फिलहाल सपाट मैदान की तरह दिखाई दे रहा है। पटाखा कारखाने में विस्फोट के बाद इंदौर के जिलाधिकारी आशीष सिंह घायल मजदूरों का हाल-चाल जानने के लिए चोडथराम हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने बताया, प्राथमिक जानकारी के मुताबिक जंगली इलाके में कारखाना परिसर के दूर-दूर बने आठ कमरेनुमा ढांचों में 12-13 लोग काम कर रहे थे।

अपील



उपमुख्यमंत्री श्रीमती दीपा कुमारी ने मंगलवार को परबतसर में नागौर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती ज्योति मिर्धा के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर जनता से आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को विजयी बनाने की अपील की।

बीकानेर जिले में अचानक जमीन धंसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। राजस्थान में बीकानेर के लूणकरणसर इलाके में अचानक एक खेत में करीब एक बीघा जमीन अचानक धंसी गयी है। सोमवार आधी रात हुई इस घटना को ग्रामीणों ने आज सुबह नजारा देखा, तो वे हक्के-बक्के रह गये। जमीन किस वजह से धंसी है, इसका अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। ग्रामीणों की सूचना पर इलाके के उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार और पुलिस उपाधीक्षक मोके पर पहुंचे। जानकारी के अनुसार, यह अजब-गजब घटनाक्रम लूणकरणसर इलाके में सहजरासर गांव से ढाणी भोपालराम रोड का बताया रहा



है। ग्रामीणों के मुताबिक सोमवार शाम तक सब कुछ ठीक था, लेकिन रात को अचानक करीब एक बीघा जमीन धंसी गयी। आज अल सुबह वहां से गुजर रहे स्थानीय लोगों ने इसे देखा, तो वे हैरान रह गये। उन्होंने तत्काल दूसरे ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। इस पर कई ग्रामीण वहां पहुंचे। वे भी कुछ समझ नहीं पाये। ग्रामीणों

ने इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन को दी। लूणकरणसर उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार और पुलिस उपाधीक्षक वहां पहुंचे। उन्होंने वहां का मौका मुआयना किया। ग्रामीणों से बातचीत की, लेकिन कोई भी इस बारे में कुछ नहीं बता पाया। बहरहाल पुलिस प्रशासन पूरे मामले को समझने का प्रयास कर रहा है।



ये चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मंगलवार को अजमेर पहुंचे। यहां उन्होंने अजमेर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी के समर्थन में शहर के आजाद पार्क में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित किया। इस दौरान गहलोत ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। इससे पूर्व अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से गहलोत का स्वागत माला व साफा पहनाकर किया गया। आम सभा को संबोधित करते

हूए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आप सब जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी ने सोच समझकर रामचंद्र चौधरी को उम्मीदवार घोषित किया है, जो 50 सालों से किसानों की सेवा कर रहे हैं। इन्होंने डेयरी में अच्छे नवाचार किए, वो सब आपके सामने हैं। केंद्र सरकार एकड़ इनकम टैक्स के छापे मार रहे हैं, भाजपा में जाते ही सब धूल जाते हैं, वहां क्या वाशिंग मशीन लगी हुई है। वो मुख्यमंत्री जेल में बैठे हैं, कांग्रेस के खाते बंद कर दिए, देश की आजादी में कांग्रेस का योगदान है। गहलोत ने कहा कि इस चुनाव में चौकाने वाले परिणाम आएंगे, हमारी सरकार ने अच्छे कार्य किए हैं। हमारी सरकार ने शिक्षा,

रोजगार, चिकित्सा में काम किए हैं। नए स्कूल खोले, बीमा योजना शुरू की, पानी की योजना बनाई, सड़कें बनाई, तीन लाख नौकरियां दीं, 4.5 लाख बिजली कनेक्शन दिए। हमारे घोषणा पत्र में 25 गारंटियां हैं, आपको गर्व होगा उस पर। वहीं मोदी जी का घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा है। 15 लाख खाते में आएंगे, रोजगार देंगे, सब जुमला निकला। यह तीन काले कानून आ गए। उन्होंने जनता से अपील करी कि रामचंद्र चौधरी जमीनी नेता हैं, उन्होंने अपनी जिंदगी आपके बीच में बिता दी। उन्होंने भागीरथ चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पांच साल में एक बार भी जनता के बीच नहीं आए।

चुनावी वादे करने के बाद भूल जाने में कांग्रेस माहिर : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि सिर्फ चुनाव के लिए वादे करके जनता को गुमराह करना और वोट लेकर भूल जाने में कांग्रेस माहिर है। उन्होंने कहा कि महंगाई कम करने के लिए केंद्र सरकार ने लगातार कदम उठाए हैं तथा इसे और भी कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यहां संवाददाताओं से बातचीत में निर्मला सीतारमण ने कहा, सिर्फ चुनाव के लिए कोई वादा करना, जनता को गुमराह करना, वोट लेना और उसके बाद भूल जाना, इसमें कांग्रेस पार्टी माहिर है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने सरकारी कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना (एनपीएस) की जगह पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने के लिए भी राजस्थान की गत अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि राज्य की पिछली कांग्रेस सरकार ने एक गलत और नायुक्तिक तर्ह का वादा किया, लेकिन जब उसे लागू करने की कोशिश की तो उसकी पार्टी के ही लोगों ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान की तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार ने नई पेंशन योजना की जगह पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की घोषणा की और इसे लागू भी किया, लेकिन इसकी नकल कर कांग्रेस पार्टी ने हिमाचल



के चुनाव में भी यही वादा किया और चुनाव जीत गई। सीतारमण ने कहा, हिमाचल में योजना लागू होने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि एनपीएस के द्वारा जो पैसा केंद्रीय पूल में गया उसको वापस किया जाए। तब मैंने कहा कि वह पैसा राज्य सरकार को भी वापस नहीं होता, वह पैसा कर्मचारियों का पैसा है और कर्मचारियों को ही मिलेगा ना कि सरकार को। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इस लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में इस मुद्दे को शामिल नहीं किया है। उन्होंने कहा, वादा करो, जनता को गुमराह करो, वोट लो और सत्ता में बैठ जाओ, ये है कांग्रेस का तरीका। यह कांग्रेस का रवैया है, हमारा नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री गहलोत ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के कार्यान्वयन में रुकावट खड़ी की।

बढ़ती महंगाई संबंधी एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, वर्ष 2014 से लेकर आज तक 10 साल में एक या दो महीने छोड़कर महंगाई 'छह प्रतिशत' के नीचे ही पैसा है और कर्मचारियों को ही मिलेगा ना कि सरकार को। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इस लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में इस मुद्दे को शामिल नहीं किया है। उन्होंने कहा, वादा करो, जनता को गुमराह करो, वोट लो और सत्ता में बैठ जाओ, ये है कांग्रेस का तरीका। यह कांग्रेस का रवैया है, हमारा नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री गहलोत ने

वाल आयात करती है, नेपाल सहित अन्य देशों से प्याज आयात करती है और मटर डेयरी की दुकानों या ट्रकों के जरिए आवासीय इलाकों में आलू, टमाटर जनता को बेचती है। केंद्र सरकार 'भारत' ब्रांड का आटा दाल 'एकदम उचित' मूल्य में बेच रही है। निर्मला ने कहा, महंगाई के विषय में प्रधानमंत्री मोदी जी कभी चुप नहीं बैठते। 'मंत्री समूह' से पूछते हैं कि आप क्या कर रहे हैं... लगातार आम जनता की थाली में जो चीज पहुंचनी चाहिए, उसकी महंगाई नियंत्रित करने के लिए हम लगातार प्रयत्नरत हैं।

चुनावी बॉन्ड संबंधी एक सवाल पर उन्होंने कहा कि संसद में चर्चा के बाद कानून पारित कर यह व्यवस्था बनाई गई थी और हर राजनीतिक दल ने कानून इसका फायदा उठाया। उन्होंने कहा, चुनावी बॉन्ड के आने से पहले के जमाने में कोई ढांचा नहीं था। आप नकदी बोरी में भरके या सूटकेस में भरकर दो, या सोना अथवा प्लेट के रूप में दो... कोई नियंत्रण नहीं था। संसद में चर्चा के बाद यह एक रास्ता निकाला गया। इसमें बॉन्ड खरीदने वाले से लेकर उसे भुनाने वाले तक 'खाते से खाते' में पैसा जाता है। उन्होंने कहा कि संसद में कानूनी तौर पर पास होने के बाद ये प्रणाली अपनायी गई है, जो पहले की प्रणाली से बेहतर है। सीतारमण मंगलवार को जयपुर के एक दिवसीय दौरे पर थीं। उन्होंने यहां प्रमुख जनसम्मेलन और 'ऑर्गेनिक एवं व्यावसायिक संवाद' को संबोधित किया।



डीजीपी ने 75 वर्षों की गौरवमयी यात्रा में राज्य पुलिस बल के योगदान को सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उच्चल रंजन साहू ने राजस्थान पुलिस की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश के पुलिस जवानों और अधिकारियों के साथ प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। डीजीपी साहू ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित औपचारिक कार्यक्रम में अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि राजस्थान पुलिस ने अपनी 75 वर्षों की गौरवमयी यात्रा में प्रदेश में कानून-व्यवस्था, शांति, आपसी प्रेम और भाईचारे की परम्पराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अविस्मरणीय योगदान दिया है। राजस्थान पुलिस को इस मुकाम तक पहुंचाने में एक से बढ़कर एक जांबाज अधिकारियों और जवानों की अहम भूमिका रही है। इसके लिए मौजूदा पुलिस फोर्स के साथ ही

सभी पूर्व पुलिस अधिकारी और सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी अभिवादन और प्रशंसा के पात्र हैं। डीजीपी ने राजस्थान पुलिस के अमर शहीदों के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए उन्हें पूरे पुलिस परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि हमारे पुलिसकर्मियों ने कर्तव्य के पथ पर अडिग रहते हर प्रकार की चुनौतियों से लोहा लेते हुए अपराध नियंत्रण और नागरिक सुरक्षा के क्षेत्र में समर्पित भाव से जनसेवा की मिसाल कायम की है।

साहू ने प्रदेशवासियों को आश्चर्य किया कि आज प्रदेश के पुलिस बड़े में शामिल करीब 1 लाख पुलिसकर्मी और अधिकारी आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय के ध्येय वाक्य को जेहन में रखकर तत्परता से कार्य कर रहे हैं। आम नागरिक पुलिस से किसी भी प्रकार की सहायता या मदद की आवश्यकता होने पर निःसंकोच होकर थानों, पुलिस चौकियों या

उच्चस्थ पुलिस अधिकारियों के कार्यालयों में सम्पर्क करें। डीजीपी ने आह्वान किया कि राजस्थान पुलिस के स्थापना दिवस के खास मौके पर प्रदेश पुलिस बल के जवान और अधिकारी, इस बात का संकल्प लें कि वे आने वाले समय में अधिक सजगता एवं सर्वकृता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे। वहीं जन्मानस में पुलिस की विश्वसनीयता तथा कर्तव्यपरायणता की पहचान को और मजबूत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

पुलिस मुख्यालय में आयोजित इस औपचारिक कार्यक्रम में मौजूद राजस्थान पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक दूसरे को पुलिस दिवस की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। इस मौके पर एडीजी और आईजी रैंक के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

बूंदी में सरकारी अस्पताल में शिशु की मौत, जांच के लिए टीम का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के बूंदी जिले के एक सरकारी अस्पताल में छह महीने के एक शिशु की मौत की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक शिशु के परिवार ने आरोप लगाया कि अस्पताल में बिजली गुल होने के कारण ऑक्सीजन आपूर्ति में गड़बड़ी के परिणामस्वरूप यह घटना हुई हालांकि, जिला चिकित्सा अधिकारियों ने इन आरोपों का खंडन किया है। अधिकारियों ने बताया कि मृत शिशु की पहचान भारती के बेटे बंटी के रूप में हुई है। बंटी को रविवार शाम करीब छह बजे देई शहर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) से आपातकालीन वार्ड में लाया गया था।

चिकित्सक ने बताया कि एम्बुलेंस में ले जाते समय बच्चे की मौत हो गई। सोमवार सुबह मृतक बच्चे के परिजनों ने अस्पताल के बाहर कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया और उन्हें निलंबित करने की मांग की।

उन्होंने दावा किया कि बिजली गुल होने के कारण ऑक्सीजन आपूर्ति में कथित रुकावट के कारण बच्चे की मौत हो गई। क्षेत्राधिकारी पुलिस उपाधीक्षक शंकर लाल मीणा ने कहा कि इस मामले में निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिए जाने के बाद प्रदर्शनकारियों को शांत किया गया। बूंदी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. ओ.पी. समीर ने अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा लापरवाही और ऑक्सीजन आपूर्ति में बाधा के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि बच्चा अंबु बैग सपोर्ट पर था और जब उसे एम्बुलेंस में ले जाया जा रहा था तो उसने दम तोड़ दिया।

बिना किसी भेदभाव के मोदी सरकार ने 80 करोड़ देशवासियों को दिया मुफ्त राशन : मजनुल्लाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और जातिवाद की राजनीति कर देश को नुकसान पहुंचाया है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास कर रहा है और भारत का गौरव विश्वभर में बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को गुजरात के पालनपुर में बनासकांठा लोकसभा भाजपा प्रत्याशी डॉ. रेखा बेन के

समर्थन में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने सबका साथ-सबका विकास-सबका शिक्षा-सबका प्रयास को ध्येय बनाते हुए बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक व्यक्ति को भरपूर राहत और उनका उत्थान करने का अतुलनीय काम किया है। आज जब मोदी सरकार 80 करोड़ से अधिक देशवासियों को मुफ्त राशन देती है तो वो किसी से जाति-धर्म नहीं पूछती।

भीड़ नहीं जुटने पर बौखलाए किरोड़ी लाल मीणा, बिना भाषण दिए लौटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। अक्सर आपने लोगों को ये कहते सुना होगा कि लोकसभा चुनाव देश का चुनाव होता है। मतलब ये है कि इसमें लोगों द्वारा देश के प्रतिनिधित्व करने वाले का चुनाव करना होता है। इस बार भी लोग बार-बार ये कह रहे हैं कि उनके लिए उम्मीदवार से ज्यादा ये महत्व रखता है कि मोदी देश का प्रतिनिधित्व करें। लेकिन हमेशा से जाति, धर्म और गोत्र को विशेष महत्व देने वाले राजस्थान में अलग तरह का मामला देखने को मिला है। दौसा में पीएम मोदी रोड शो कर चुके हैं और इस दौरान काफी भीड़ भी देखने को मिली थी। इसमें तो कई शक नहीं है कि पीएम मोदी की लोकप्रियता दुनियाभर में है। हालांकि इसके बाद भाजपा के कार्यक्रमों में जो नजारे देखने को मिल रहे हैं वो भाजपा के बड़े नेताओं को बिल्कुल पसंद नहीं आ रहे हैं।

दौसा। अक्सर आपने लोगों को ये कहते सुना होगा कि लोकसभा चुनाव देश का चुनाव होता है। मतलब ये है कि इसमें लोगों द्वारा देश के प्रतिनिधित्व करने वाले का चुनाव करना होता है। इस बार भी लोग बार-बार ये कह रहे हैं कि उनके लिए उम्मीदवार से ज्यादा ये महत्व रखता है कि मोदी देश का प्रतिनिधित्व करें। लेकिन हमेशा से जाति, धर्म और गोत्र को विशेष महत्व देने वाले राजस्थान में अलग तरह का मामला देखने को मिला है। दौसा में पीएम मोदी रोड शो कर चुके हैं और इस दौरान काफी भीड़ भी देखने को मिली थी। इसमें तो कई शक नहीं है कि पीएम मोदी की लोकप्रियता दुनियाभर में है। हालांकि इसके बाद भाजपा के कार्यक्रमों में जो नजारे देखने को मिल रहे हैं वो भाजपा के बड़े नेताओं को बिल्कुल पसंद नहीं आ रहे हैं।

मामला दौसा के ही एक चुनावी सभा का है जहां कम भीड़ होने के कारण राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने स्थानीय नेताओं को जमकर फटकार लगाई। वो भीड़ कम होने से इतने नाराज हुए कि उन्होंने स्थानीय नेताओं को घर जाने के लिए कह दिया। इतना ही नहीं उन्होंने यहां तक कह दिया कि विधानसभा चुनाव में भी मेरी इज्जत नहीं रखी थी और अभी भी वो ही हाल है। बता दें कि दौसा में भाजपा ने मौजूदा सांसद जसकौर मीणा का टिकट काटकर

कन्हैयालाल मीणा को उम्मीदवार बनाया है। जबकि कांग्रेस की ओर टिकट पाने वाले मौजूदा विधायक मुरारीलाल मीणा हैं। दोनों की जाति तो एक ही है लेकिन गोत्र अलग। स्थानीय लोगों की मानें तो दौसा में इस गोत्र के लोगों की संख्या ज्यादा है इसलिए वो यहां भीड़ आसानी से जुटा ले रहे हैं। यहीं कारण है कि जब डॉ. किरोड़ीलाल मीणा दौसा पहुंचे तो जनसभा में भीड़ नहीं देखने को मिली। इससे वो ना सिर्फ नाराज हुए बल्कि स्थानीय नेताओं को काफी कुछ कह भी दिया।



बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा मंगलवार को संसदीय क्षेत्र के देशनोक में जनसंपर्क कर जनता से आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रबल मतों से विजयी बनाने का आग्रह किया।

भाजपा आरक्षण को न हटाएगी, न हटाने देगी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भापा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आरक्षण का सबसे बड़ा समर्थक बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश से आरक्षण को न हटाएगी और न हटाने देगी। पौड़ी गढ़वाल संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलुनी के समर्थन में पौड़ी जिले के कोटद्वार में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस देश में झूठ फैला रही है कि अगर भाजपा को 400 सीट मिली तो आरक्षण चला जाएगा।

उन्होंने कहा, अरे, (कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन) खरगे साहब झूठ काहे को बोल रहे हो। 10 साल से हमारे पास पूर्ण बहुमत है। मोदी जी आरक्षण के सबसे बड़े समर्थक हैं। भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि आरक्षण चाहे आदिवासी का हो, दलित का या अन्य पिपडा वर्ग (ओबीसी) का हो, न उसे हटाएंगे, न हटाने देंगे। शाह ने कहा कि



भाजपा को 400 सीट इसलिए चाहिए, क्योंकि पिछली बार जब जनता ने उसे 300 से ज्यादा सीट दी तो उसने अनुच्छेद 370 और तीन तलाक हटा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे पर निशाना साधते हुए शाह ने यह भी कहा कि वह कहते हैं कि राजस्थान और उत्तराखंड के रहने वालों का कश्मीर से क्या लेनादेना है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह मालूम नहीं है कि कश्मीर को बचाने के लिए सबसे ज्यादा लहू उत्तराखंड वालों ने बहाया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने जम्मू-

कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया जिसे कांग्रेस ने 70 सालों से संभाल कर रखा था और उसे हमेशा के लिए भारत का हिस्सा बना दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर देश के पहले रक्षा प्रमुख दिवंगत जनरल बिपिन रावत जैसे योद्धा का अपमान करने का भी आरोप लगाया और कहा कि वह उन्हें 'गली का गुंडा' कहने से भी नहीं झिझकी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पाकिस्तान से हर रोज आतंकवादी आते थे और बम धमाके करके

पाकिस्तान चले जाते थे। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद इस स्थिति में परिवर्तन आया है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पुलवामा और उरी हमलों का जवाब सर्जिकल स्ट्राइक से देकर पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकवादियों का सफाया करने का काम किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के जरिए 70 साल से तकलीफ में जी रहे हिंदू, बौद्ध और सिख भाइयों को नागरिकता प्रदान की है। शाह ने कहा कि

मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त राशन दिया, 12 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण कराया, चार करोड़ से ज्यादा लोगों को घर दिया और अब मोदी की गारंटी है कि तीन करोड़ से ज्यादा अन्य लोगों को भी घर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान 10 करोड़ लोगों को उज्वला रसोई गैस कनेक्शन दिया गया। शाह ने कहा कि भारतीय जनसंघ की स्थापना से ही उसने अपने घोषणापत्र में यह मांग रखी थी कि देश में धर्म के आधार पर कानून नहीं होंगे और समान नागरिक संहिता होगी।

उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह देश में सबसे पहले यूसीसी लाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में पूरे देश में यूसीसी लाए करने की बात कही है। बुधवार को रामनवमी के त्योहार का जिक्र करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश के लिए यह खुशी की बात है कि भगवान रामलला 500 सालों के बाद टेंट की जगह अपना जन्मदिन भव्य मंदिर में मनाएंगे।



सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने मैनपुरी से नामांकन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनपुरी/भापा। समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी और वर्तमान सांसद डिंपल यादव ने मंगलवार को मैनपुरी लोकसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। समाजवादी पार्टी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल यादव ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। डिंपल के नामांकन के समय समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव और शिवपाल सिंह यादव मौजूद थे।

नामांकन दाखिल करने के बाद सपा प्रमुख यादव ने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि समाजवादी पार्टी इस बार मैनपुरी का चुनाव रिकॉर्ड मतों से जीतने जा रही है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता हरीश चंद्र श्रीवास्तव ने मंगलवार को कहा कि 'इनका समाजवाद दंगाइयों, बलवाइयों और आतंकीयों के संरक्षण का है, जनता इन्हें मैनपुरी में भी धूल चटायेगी।' मैनपुरी में

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के तहत सात सीटों को मतदान होगा। मैनपुरी सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जयवीर सिंह और बसपा के शिवप्रसाद यादव मैदान में हैं। सिंह उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। अखिलेश यादव ने कहा, मैनपुरी का चुनाव इस बार रिकॉर्ड मतों से समाजवादी पार्टी जीतने जा रही है। दूसरे दल जो सामने हैं उनके पास दिखाने और बताने को कुछ नहीं है। जनता जब दस साल दिल्ली के काम का और सात साल उग्र की सरकार के काम का आकलन करेगी, तो भाजपा के सारे चेहरे गायब हो जाएंगे। केंद्र और उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया होने जा रहा है। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने हर प्रीक्षा का प्रश्नपत्र लौक हो रहा है और अब तक 10 प्रश्न पत्र लौक हो चुके हैं। भाजपा पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख यादव ने दावा किया कि उन्होंने युवाओं से नौकरी छीनी है और आरक्षण नहीं देना चाहते क्योंकि सरकारी नौकरी देगे तो आरक्षण देना पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आरक्षण नहीं देना चाहती, इसलिए जानबूझकर प्रश्नपत्र लौक कराए जाते हैं।

हेमा मालिनी पर टिप्पणी को लेकर रणदीप सुरजेवाला के 48 घंटे तक प्रचार करने पर लगी रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भापा। निर्वाचन आयोग ने भारतीय जनता पार्टी की सांसद हेमा मालिनी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के चुनाव प्रचार करने पर मंगलवार को 48 घंटे के लिए रोक लगा दी। इस लोकसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग द्वारा किसी नेता के प्रचार करने पर पहली बार प्रतिबंध लगाया गया है। निर्वाचन आयोग ने हेमा मालिनी के खिलाफ कथित अशोभनीय, असभ्य और अभद्र टिप्पणी के लिए पिछले मंगलवार को सुरजेवाला को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

आयोग ने कहा कि उसने



सुरजेवाला के जवाब में दी गई सामग्री और कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया है। आयोग ने कहा, आयोग आदर्श आचार संहिता के उल्लंघनों से संबंधित मामले में उन्हें जारी किए गए या बाद में जारी किए जाने वाले किसी भी आदेश/नोटिस पर बिना किसी पूर्वग्रह के, हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान उनके द्वारा दिए गए विवादित बयान की कड़ी निंदा करता है और कदाचार के लिए रणदीप सुरजेवाला को फटकार लगाता है। उसने कहा कि

आयोग, संविधान के अनुच्छेद 324 और इस संबंध में सक्षम बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों के तहत, सुरजेवाला को मौजूदा चुनाव के संदर्भ में 16 अप्रैल को शाम 6 बजे से 48 घंटे तक किसी भी जनसभा, सार्वजनिक जुलूस, सार्वजनिक रैलियां, रोड शो और साक्षात्कार, मीडिया (इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट, सोशल मीडिया) आदि में सार्वजनिक भाषण देने से रोकता है।

सुरजेवाला को अपने नोटिस में निर्वाचन आयोग ने कहा था कि सावधानीपूर्वक जांच करने पर टिप्पणियां अत्यधिक अशोभनीय, असभ्य और अभद्र पाई गईं, और प्रथम दृष्टया आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों और पिछले महीने पाटियों को जारी की गई आयोग की सलाह का उल्लंघन है।



डिब्रूगढ़ में चाय बागान मजदूरों की दशा फिर बनी चुनाव मुद्दा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिब्रूगढ़/भापा। असम के चाय बागान ने भले ही राज्य को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई हो, लेकिन इस उद्योग से जुड़े मजदूरों की समस्याओं और मुद्दों पर चुनाव के शोर में ही चर्चा की जाती है और राजनीतिक नेता उन्हें हल करने का वादा करते हैं। राज्य के डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र में चाय के सबसे ज्यादा बागान हैं जहां कुल 16.50 लाख मतदाताओं में से 30 प्रतिशत बागान को सरकार का क्षेत्र माना जाता है। इन मजदूरों का समर्थन मिलता था लेकिन 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने डिब्रूगढ़ सीट कांग्रेस से छीन ली और 2019 में हुए अगले लोकसभा चुनाव में भी इस क्षेत्र पर अपना कब्जा

बरकरार रखा। इस सीट में डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया दो जिले आते हैं, जहां कुल 301 बड़े और 51,063 छोटे चाय बागान हैं। इन बागानों में काम करने वाले श्रमिकों के प्रमुख मुद्दे मजदूरी, स्वास्थ्य, शिक्षा और भूमि दस्तावेज (पट्टा) हैं। केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार सचरानंद सोनोवाल ने चाय बागानों में प्रचार अभियान किया है। सोनोवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'मुख्यमंत्री के तौर पर हिमंत विश्व शर्मा और भरे कार्यकाल के दौरान, हमने बागान श्रमिकों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को हल करने के लिए हर संभव प्रयास किया है। इन श्रमिकों की कांग्रेस ने अपने 60 वर्षों के कुशासन के दौरान उपेक्षा की थी।' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इन श्रमिकों को सिर्फ वोट बैंक माना और उनकी समस्याओं का निदान नहीं किया।

विपक्षी उम्मीदवार और असम जातीय परिषद (एजेपी) के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोर्गोई ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि असम विश्व स्तर पर अपने चाय उद्योग के लिए जाना जाता है, लेकिन इसके श्रमिकों की स्थिति दयनीय है। उन्होंने कहा, 'भाजपा ने चाय बागान श्रमिकों के लिए कई वादे किए थे, जिनमें 350 रुपये मजदूरी, उनके घरों की जमीन का पट्टा देना, स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी सुविधाएं शामिल थीं, लेकिन वादे पूरे नहीं किए गए।' मैदान में तीसरे उम्मीदवार, आम आदमी पार्टी (आप) के मनोज धनोवर, चाय जनजाति समुदाय से आते हैं। उन्होंने दावा किया कि यहां बागान श्रमिकों की स्थिति देश में सबसे खराब है और भाजपा सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली तथाकथित सुविधाएं सभी वर्गों तक नहीं पहुंची हैं।

न्यायालय ने ममता सरकार के सुझाए गए 6 उम्मीदवारों को कुलपति नियुक्त करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली/भापा। उच्चतम न्यायालय ने प. बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस को राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई उम्मीदवारों की सूची में से छह उपयुक्त व्यक्तियों को कुलपति नियुक्त करने का निर्देश दिया। बोस, राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी हैं। कुलाधिपति की ओर से पेश अर्चनाएं जनरल आर. वेंकटरमणी ने शीर्ष अदालत को बताया कि उन्होंने ममता बर्नोई सरकार द्वारा भेजी सूची में से 6 नामों को मंजूरी दे दी है। बंगाल में राज्य सरकार द्वारा संचालित विधि में नियुक्तियों को लेकर सत्ताग्रह तृणमूल कांग्रेस और राज्यपाल बोस के बीच खींचतान देखी गई है। न्यायमूर्ति सुर्यकांत और के.वी. विश्वश्याम पीठ ने कहा, 'इन 6 व्यक्तियों की नियुक्ति की जाए।' इसने राज्य सरकार से कुलाधिपति के कार्यालय को उपयुक्त उम्मीदवारों की नई सूची भेजने के लिए कहा, जो उनमें से कुछ व कुलपतियों की नियुक्त का निर्णय ले सकेंगे। राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच जारी खींचतान के सोहार्दपूर्ण समाधान की उम्मीद करते पीठ ने कहा कि यह राज्य-संचालित शेष विधि में कुलपति के रूप में नियुक्त किए जाने वाले उम्मीदवारों के नाम बचन करने के लिए बाध में खोज समिति गठित करने पर विचार कर सकती है।

700 कैदियों को होटल उद्योग में नौकरी मिली, 1200 अन्य को जल्द रोजगार मिलेगा : तिहाड़ जेल प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भापा। तिहाड़ जेल के महानिदेशक संजय बेनीवाल ने कहा कि लगभग 700 कैदियों को होटल उद्योग में नौकरी मिली है और 1200 से अधिक बंदी जेल से बाहर आने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। पीटीआई मुम्बई के सोमवार को एंजेलो के संपादकों के साथ बातचीत में 1989 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी बेनीवाल ने कहा कि वह उन कैदियों को देखकर खुश होते हैं, जिन्हें जेल की सजा काटने के बाद नौकरी मिलती है।

चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक रह चुके बेनीवाल नवंबर 2022 से तिहाड़ जेल के महानिदेशक के रूप में तैनात हैं। तिहाड़ में अपने कार्यकाल में जेल सुधारों पर एक सवाल का जवाब देते हुए, बेनीवाल ने कहा, हमने जेलों के अंदर शहरी विकास मंत्रालय की मदद से कोशल विकास कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत, लगभग 700 कैदियों को होटल उद्योग में नौकरी मिली है और 1,200 कैदी अप्रतारलों में नौकरी पाने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। जेल अधिकारियों के अनुसार, विचाराधीन कैदियों को प्रशिक्षण देने के लिए जेलों के अंदर एक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया गया है और यह कार्यक्रम 2023 की शुरुआत में शुरू किया गया था। बेनीवाल ने कहा कि कैदियों को कोशल प्रदान करना और सशक्त बनाना एक ऐसी चीज है जो उन्हें योग्य बनाती है। उन्होंने कहा, जब उन्हें (कैदियों) बाहर



काम करने के लिए प्रमाणपत्र और प्रस्ताव पत्र मिले तो मैंने उनकी आंखों में चमक और चेहरे पर मुस्कान देखी। तिहाड़ जेल में क्षमता से अधिक कैदी होने से संबंधित सवाल के जवाब में बेनीवाल ने कहा कि अधिक जेल बनाना कोई समाधान नहीं है। तिहाड़ में 10,000 की स्वीकृत क्षमता के मुकाबले 20,000 कैदी हैं। दिल्ली में तीन जेल परिवार - तिहाड़, रोहिणी और मंडोली हैं तथा इन सभी में केंद्रीय जेल हैं। उन्होंने कहा कि अन्य विकल्पों या दंडित करने के बहतर तरीकों की तलाश की जा सकती है। बेनीवाल ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि हाल में एक युवक को जेबतराशी में 300 रुपये चुराने के आरोप में पकड़ा गया और उसे तिहाड़ लाया गया। उन्होंने कहा कि जमानत मिलने से पहले वह पांच महीने तक जेल में रहा। उन्होंने कहा, मैं प्रति कैदी प्रति दिन 800 रुपये खर्च कर रहा हूँ, जिसकी कीमत हमें प्रति माह लगभग 24,000 रुपये पड़ती है। उस 300 रुपये की चोरी के लिए मैंने आपका पैसा (राजकोष) खर्च किया, जिसकी लागत पांच महीनों में लगभग 1,20,000 रुपये पड़ती है। क्या यह सही है? यही सवाल हमें पूछने की जरूरत है।

सुब्बाराव का संस्मरण राष्ट्रीय हितों से धोखाधड़ी की कांग्रेस की प्रवृत्ति को दर्शाता है : स्मृति

नई दिल्ली/भापा। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर दयुश्री सुब्बाराव के इस दावे को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला कि प्रणव मुखर्जी और पी. चिदंबरम के अधीन वित्त मंत्रालय आरबीआई पर दबाव डालता था। ईरानी ने कहा कि यह राष्ट्रीय हितों के साथ कांग्रेस की धोखाधड़ी की प्रवृत्ति को रेखांकित करता है। अपनी हालिया किताब जस्ट ए मरिंसरी? : नोट्स फ्रॉम माई लाइफ एंड करियर' में सुब्बाराव ने कहा कि प्रणव मुखर्जी और पी. चिदंबरम के वित्त मंत्री रहने के दौरान वित्त मंत्रालय आरबीआई पर दबाव दर् नरम रखने और आर्थिक वृद्धि की खुशनुमा तस्वीर पेश करने के लिए दबाव डालता था। आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने अपने संस्मरण में यह भी लिखा कि केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता के महत्व पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संगम) की पूर्ववर्ती सरकार में समझ और संवेदनशीलता कम थी। सुब्बाराव के उनके संस्मरण में किए गए दावे पर प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट को साझा करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में ईरानी ने कहा, जब कांग्रेस पार्टी भारत के लोगों को धोखा देने के लिए रिजर्व बैंक को सरकार का 'चीयरलीडर' बनाना चाहती थी। उन्होंने आरोप लगाया, आरबीआई के पूर्व गवर्नर सुब्बाराव के संस्मरण के खुलासे कांग्रेस द्वारा किए गए संस्थागत दुरुपयोग का एक ज्वलंत उदाहरण प्रदान करते हैं। कदाचार ने न केवल हमारी संस्थाओं को खतरे में डाला, बल्कि राष्ट्रीय हित के बजाय कांग्रेस की धोखाधड़ी की प्रवृत्ति को भी उजागर किया।

शीर्ष अदालत ने रामदेव, बालकृष्ण को एक सप्ताह के भीतर 'सार्वजनिक माफी मांगने' की अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भापा। उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु रामदेव और उनके सहयोगी बालकृष्ण को एलोपैथी को नीचा दिखाने के किसी भी प्रयास के खिलाफ मंगलवार को चेतावनी दी और उन्हें पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन मामले में अवमानना कार्यवाही में एक सप्ताह के भीतर सार्वजनिक माफी मांगने और पश्चाताप दिखाने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने हालांकि, यह भी स्पष्ट कर दिया कि यह अभी उन्हें इस चरण में राहत नहीं देने जा रही है।

शीर्ष अदालत 2022 में

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें कोविड टीकाकरण और चिकित्सा की आधुनिक पद्धतियों के खिलाफ एक दुष्प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है। सुनवाई के दौरान रामदेव और बालकृष्ण दोनों व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे और दोनों की ओर से पेश हुए वकील ने बिना शर्त माफी मांगी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ से कहा कि वे पछतावा दिखाने के लिए सार्वजनिक माफी मांगने को तैयार हैं। पीठ ने दोनों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी से कहा, विज्ञापन के माध्यम से आपको जो करना है, करें, हम इस

पर टिप्पणी नहीं कर रहे हैं। लेकिन इस समय, हम यह नहीं कह रहे हैं कि उन्हें इससे राहत मिल गई है। रोहतगी की इस दलील पर गौर करते हुए कि प्रायश्चित्त करने के लिए, रामदेव और बालकृष्ण ने एकलवर्तन कुछ कदम उठाए का प्रस्ताव रखा है, पीठ ने उन्हें एक सप्ताह का समय दिया और मामले की सुनवाई 23 अप्रैल को करना तय किया। सुनवाई के दौरान, पीठ ने रामदेव और बालकृष्ण से बातचीत की और उनसे पूछा कि उन्होंने अदालत को दिए गए आश्वासन और उसके द्वारा पारित आदेशों का उल्लंघन क्यों किया। न्यायमूर्ति कोहली ने रामदेव से कहा, हम समझना चाहते हैं। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण दोनों यहां हैं। आपकी बहुत प्रतिष्ठा



है... लोग आपको देखते हैं, आपके कार्यों की सराहना करते हैं। आपने योग के लिए बहुत सारे काम किए हैं। रामदेव ने इन श्रमिकों को, 'मैं कहना चाहता हूँ कि मैंने जो भी गलती की है उसके लिए मैंने बिना शर्त माफी मांग ली है।' न्यायमूर्ति कोहली ने रामदेव से उस संवाददाता सन्मेलन के बारे में पूछा, जिसे उन्होंने पिछले साल 21 नवंबर के उच्चतम न्यायालय के उस आदेश के बाद संबोधित किया था, जिसमें पतंजलि आयुर्वेद की ओर से पेश की गई राधा दिए गए हलफनामे का सारांश लिया गया था। उस आदेश में, शीर्ष अदालत ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने

उसे आश्वासन दिया था कि अब से खासकर पतंजलि आयुर्वेद द्वारा निर्मित और विपणन किए गए उत्पादों के विज्ञापन या ब्रांडिंग के संबंध में किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा। यह भी कहा गया था कि प्रभावशीलता के संबंध में या चिकित्सा की किसी भी पद्धति के खिलाफ कोई भी बयान किसी भी रूप में मीडिया में जारी नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड इस तरह के आश्वासन का पालन करने के लिए बाध्य है।

मंगलवार की सुनवाई के दौरान रामदेव ने पीठ से कहा कि उनका किसी भी तरह से अदालत के प्रति अन्याय दिखाने का कोई इरादा नहीं था। योग गुरु ने कहा कि उस तक उन्होंने जो किया, उन्हें वह नहीं

करना चाहिए था और वह भविष्य में भी इस बात को ध्यान में रखेंगे। उन्होंने कहा कि यह काम के प्रति उनके उत्साह के चलते हुआ। बालकृष्ण ने भी गलती के लिए माफी मांगी। न्यायमूर्ति अमानुल्लाह ने कहा, 'आप एलोपैथी को नीचा नहीं दिखा सकते। आप अपना काम करिये। आप अच्छा काम कर रहे हैं।'

पीठ ने कहा कि उसने पतंजलि के वकील के हलफनामा देने के बाद पिछले साल नवंबर में आदेश पारित किया था। पीठ ने कहा, 'आपने यह सब तब किया जब अदालत का आदेश था। आप इतने मार्सुम नहीं थे कि आपको पता न चले कि अदालत में क्या हुआ है।' पीठ ने कहा, 'इतनी मार्सुमियत अदालत में काम नहीं

आती।' इसमें कहा गया, 'अगर आप सोच रहे हैं कि आपके वकील ने माफी मांग ली है, तो हमने अभी तक यह तय नहीं किया है कि आपकी माफी स्वीकार की जाए या नहीं।' पीठ ने तब नाराजगी जताई जब पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के प्रबंध निदेशक बालकृष्ण ने कहा कि रामदेव का कंपनी के रोजमर्रा के मामलों से कोई लेना-देना नहीं है। न्यायमूर्ति अमानुल्लाह ने बालकृष्ण से कहा, आप फिर से अपने रुख पर अड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि माफी दिल से आयी प्रतीत नहीं हो रही है। रामदेव और बालकृष्ण की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने मामले की सुनवाई की शुरुआत में पीठ से कहा, मैं सार्वजनिक माफी मांगना चाहता हूँ।

सुविचार

जिंदगी मुश्किलों से मरी हुई है, क्योंकि जिंदगी को भी पता है, कि दुनिया आसानी से मिली हुई चीजों की कदर नहीं करते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

व्यावहारिक हों वादे

चुनावी मौसम में राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे वादे व्यावहारिक होने चाहिए। वे न तो अतिशयोक्तिपूर्ण हों और न ही अति-आदर्शवादी हों। एक राजनेता एक झटके में देश की गरीबी दूर करने की बात कह रहे हैं, तो एक राजनीतिक दल ने अपने चुनाव घोषणा-पत्र में यह वादा कर दिया कि अगर उसे सत्ता मिली तो वह परमाणु निरस्त्रीकरण की दिशा में कदम बढ़ाएगा! क्या एक झटके में किसी देश की गरीबी दूर की जा सकती है? क्या हम परमाणु हथियारों को त्यागकर अधिक सुरक्षित हो सकते हैं? जनता को इन दोनों ही प्रश्नों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। अगर चुटकियों में गरीबी दूर करना संभव होता तो ऐसा तभी हो जाता, जब भारत आजाद हुआ था। हर सरकार के पास बुद्धिजीवियों, विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों की टीम होती है। उन लोगों ने आज तक ऐसा 'अद्भुत' सुझाव क्यों नहीं दिया? अगर चलक झपकते ही गरीबी को गायब करना संभव होता तो पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जरूर ऐसा कर देते, जो स्वयं अर्थशास्त्र के बड़े विद्वान हैं। प्रायः गरीबी दूर करने के लिए एक 'तर्क' दिया जाता है कि लोगों को ज्यादा से ज्यादा पैसा दे दिया जाए। इससे उनकी गरीबी दूर हो जाएगी! ऐसी बातें पूरी तरह सही नहीं हैं। निरसंदेह जरूरतमंद लोगों को आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए, लेकिन वह किसी उत्पादक कार्य में लगनी चाहिए या ऐसे कार्य में लगनी चाहिए, जिससे भविष्य में उत्पादक कार्य किए जाने की अच्छी संभावना हो। उदाहरण के लिए, अगर किसी व्यक्ति की कद बढ़ाने में रुचि है, लेकिन उसके पास न तो उचित प्रशिक्षण है और न ही पर्याप्त संसाधन हैं। अगर ऐसी स्थिति में उसे प्रशिक्षण दिलाकर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि वह जरूरी सामान खरीद सके, तो इससे उसे रोजगार मिलेगा। फिर वह धीरे-धीरे गरीबी से निकल आएगा। इसके विपरीत, अगर उसे सिर्फ पैसा दे दिया जाए और कोई प्रशिक्षण, कोई प्रोत्साहन न दिया जाए, तो इस बात की बहुत ज्यादा आशंका है कि कुछ दिनों बाद वह फिर गरीब हो जाए!

कुछ कल्पनाएं अत्यंत मधुर लगती हैं। जैसे - 'दुनिया में हर कोई बहुत प्रेम से रहने लगे, सभी देशों के बीच मधुर संबंध हो जाएं, कोई सरहद न हो, कोई सेना न हो, किसी के भी हृदय में छल, कपट, लोभ जैसी बुराइयां न हों...' क्या ही अच्छा हो, अगर सच में ऐसा हो जाए! तब तो धरती पर सतयुग आ जाएगा, किसी को किसी से खतरा नहीं रहेगा! लेकिन आज स्थिति ऐसी नहीं है। अगर कोई देश अपनी सीमाएं खोल दे, सेना हटा दे, हथियारों को नष्ट कर दे और सब लोगों को मनमानी करने की फूट दे दे तो वहां भारी अनर्थ हो जाएगा। अगर अराजकता फैल जाएगी। आदर्श और यथार्थ को साथ लेकर चलना होता है। आदर्श का पालन जरूर करें, लेकिन विवेकशील भी बनें। कुछ 'अतिक्रान्तिकारी' लोग भारत के सन्दर्भ में परमाणु निरस्त्रीकरण की बातें करते हैं। उसके क्या परिणाम हो सकते हैं, इस पर वे प्रकाश डालने का कह नहीं करते। भारत के दो पड़ोसी (पाकिस्तान और चीन) परमाणु हथियारों से लैस हैं। दोनों का ही स्वैया हमारे प्रति घोर शत्रुतापूर्ण है। दोनों ही हमारे अस्तित्व से घृणा करते हैं। क्या इस स्थिति में हमें परमाणु निरस्त्रीकरण की ओर कदम बढ़ाना चाहिए? भारत ने सदियों तक विदेशी आक्रांताओं के हमले झेले हैं, जिनमें असंख्य लोगों को प्राण गंवाने पड़े थे। आज आतंकवाद एक गंभीर खतरा बना हुआ है, जिसके नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए भारतीय एजेंसियां दिन-रात मेहनत कर रही हैं। उक्त दोनों पड़ोसी हमारी जमीन पर कुदृष्टि रखते हैं। दोनों से हमारे युद्ध हो चुके हैं। झड़पें तो होती रहती हैं। इन सब बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए हमें और ज्यादा शक्तिशाली बनना चाहिए या शक्तिहीनता की ओर बढ़ना चाहिए? भारत के सन्दर्भ में परमाणु निरस्त्रीकरण के वादे क्षणिक 'वाहवाही' तो दिला सकते हैं, लेकिन ये किसी भी तरह से व्यावहारिक नहीं हैं।

ट्वीटर टॉक



भारत में पिछले 10 साल से हर क्षेत्र में दुनिया भर से निवेश आ रहा है। मैं चाहता हूँ कि हिंदुस्तान में निवेश आना चाहिए। पैसा किसी का भी लगा हो, पसीना मेरे देश का लगना चाहिए, उसके अंदर सुगंध मेरे देश की मिट्टी की आनी चाहिए।

-नरेन्द्र मोदी

आज जम्मू की पावन भूमि में मोदी जी को आशीर्वाद देने उमड़ा यह जनसागर बता रहा है कि धारा 370 की जंजीरों से मुक्त होकर नया जम्मू-कश्मीर, मोदी सरकार के अगले टर्म में नई ऊँचाइयों छूने को तैयार है।

-अमित शाह

मेरे प्रिय साथियों, पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने भविष्य का ध्यान रखते हुए विकसित भारत की बुनियाद रखी है, जिसमें आपकी भूमिका बहुत अहम है। मैं आपसे अपील करता हूँ कि आने वाले चुनाव में कमल के फूल पर वोट कर उन्हें और मजबूत बनाएं।

-सीपी जोशी

प्रसंग

मन का सुख

द्विजय सिंह नामक एक राजा अपनी प्रजा का बहुत ध्यान रखता था। वह चाहता था कि उसके शासन में सभी सुखी हों। एक दिन उसने अपने मंत्रियों से कहा कि आप लोग किसी ऐसे व्यक्ति को खोज कर लाएं जो पूर्ण रूप से सुखी हो। राजा का आदेश सुनकर सभी ऐसे व्यक्ति की तलाश में निकल पड़े। मंत्री निराश होकर वापस राज्य की ओर लौटने लगे। मार्ग में उन्हें एक साधु प्रसन्न मुद्रा में भजन-कीर्तन करते हुए नजर आया। वे साधु के पास गए और उनसे अपनी समस्या बताई। सारी बात जानकर साधु बोले, 'मैं सचमुच सुखी व्यक्ति हूँ क्योंकि मेरे अंदर असंतोष की भावना नहीं है।' मंत्री साधु को अपने साथ ले गए। साधु राजा से बोले, 'राजान, सुखी तो सभी होना चाहते हैं किंतु सुखी कैसे रहा जाता है, यह कोई नहीं जानता इसलिए सबके पास अपने-अपने दुखों की लम्बी कतार है। वास्तव में मानव जीवन तो संघर्ष और समस्याओं का ही नाम है किंतु यदि मानव इन संघर्ष व समस्याओं का निडरता व प्रसन्नता से सामना करे और लोभ, मोह, ईर्ष्या, क्रोध, असंतोष आदि पर विजय प्राप्त कर ले तो फिर उसे सुखी होने से कोई नहीं रोक सकता।

सदैव अनुकरणीय रहेंगे भगवान श्रीराम के आदर्श

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

स मूले भारतवर्ष में प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को रामनवमी का त्यौहार भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो इस वर्ष 17 अप्रैल को मनाया जा रहा है। मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था। रामनवमी के दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सवों का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में जनवरी महीने में हुई भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद इस बार पहली बार रामनवमी बेहद खास होगी। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आएगी और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ेगी। रामनवमी के अवसर पर भगवान राम के दर्शन के लिए इस बार लाखों लोगों के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है और इसके लिए राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा खास प्रबंध किए गए हैं।

विधि के विधान के अनुसार भगवान श्रीराम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेलीं और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को रामराज्य कहकर परिभाषित किया जाता है। श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इंद्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के



विधि के विधान के अनुसार भगवान श्रीराम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेलीं और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को रामराज्य कहकर परिभाषित किया जाता है।

कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया।

महारानी केकेयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने

लाड़ले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम ने तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मर्यादा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकेयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसने को पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत

को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े। वनवास की यात्रा की शुरुआत शृंगवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पणखा की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14 हजार राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया।

कहा जाता है कि जब सीता का विधु श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिममत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वनराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलवाया, जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था।

श्रीराम ने बाली का वध करके सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किंधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानरसेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के धोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया और लंका पर खुद अपना अधिकार न्यायकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए। एक और जहां रावण अत्याचार, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के प्रतीक थे। सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मर्यादाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। उन्होंने इसके बाद भी रावण को एक महाज्ञानी के रूप में सदैव सम्मान दिया और यह इससे साबित भी हुआ कि रावण की मृत्यु से कुछ ही क्षण पूर्व श्रीराम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान अर्जन के लिए भेजा था।

नजरिया

इस रामनवमी की सदियों से थी प्रतीक्षा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

मोबाइल : 94510 05200

अ योध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद 9 अप्रैल को पहली बार रामनवमी का आयोजन हो रहा है। इस रामनवमी को पांच सौ वर्षों बाद श्रीराम लला अपने घर में जन्मदिन मनाएंगे। भव्य राम मंदिर में रामनवमी का ये स्वर्णिम और ऐतिहासिक अवसर सनातनधर्मियों को कड़े संघर्ष से हासिल हुआ है, जिसका पांच सदियों से अधिक का इतिहास है। इसमें 70 से अधिक बार का संघर्ष, जिसमें से अधिकतर मुगल आक्रांताओं द्वारा भारतवासियों और हमारे मंदिरों पर हमले का रक्तजित इतिहास शामिल है। लेकिन सबसे ज्यादा पीड़ादायक पिछले 75 वर्ष रहे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने तुष्टिकरण की राजनीति को सिर मथाने से लगाया और हिन्दू आस्थाओं और भावनाओं को कुचलने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह की सरकार तक ने राम मंदिर की राह में रोड़े अटकाने का काम किया। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार संसद में कहा था कि राम मंदिर का निर्माण राष्ट्रीय स्वाभिमान का मुद्दा है। उनका वह वक्तव्य सही मायने में एक संदेश था जिसमें राजनीति नहीं थी। सही बात तो ये है कि राम मंदिर का विरोध करने वालों ने ही इसे वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा बना दिया। कांग्रेस और अन्य कुछ दल मुस्लिम मतां के कारण इस मुद्दे पर हिंदुओं के न्यायोचित दावों की अनदेखी करते रहे। प्रतिक्रिया स्वरूप इस मामले ने दूसरा मोड़ ले लिया। लेकिन दुर्भाग्य है कि देश की बहुसंख्यक आबादी के आराध्य श्रीराम की जन्मभूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करवाने का कार्य न्यायालय के निर्णय से संभव हो सका। और वह प्रक्रिया भी वर्षों नहीं दशकों तक चली। सबसे बड़ी बात ये हुई कि बाबरी दांचे की तरफदारी मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ ही साथ धर्मनिरपेक्षता के झंडाबंददार बने हिन्दू नेतागण भी करते रहे।

सोमनाथ मंदिर को अंतिम बार औरंगजेब ने यह कहकर तोड़वाया था कि, इस बार इसे पूरी तरह नेस्तानाबूद कर दो कि मंदिर का कहीं कोई निशान तक दिखाई न दे। सोमनाथ पर मस्जिद बन कर कश्मिराना को सरदार पटेल ने इतिहास की विकृति का चिह्न और राष्ट्रीय अपमान बताकर कहा था कि, राष्ट्र के गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा के लिए सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण आवश्यक है।' गांधी जी भी इससे सहमत थे। हिन्दू बहुल देश में प्रभु श्री राम की जन्मस्थली को मुक्त करवाने में जिस तरह के अवरोध उत्पन्न किए गए वे अकल्पनीय हैं। यदि सोमनाथ के साथ ही राम जन्मभूमि का मसला भी तत्कालीन नेहरू सरकार सुलझा लेती तब शायद इसे लेकर राजनीति करने का किसी को अवसर नहीं मिलता।

वर्तमान में देश में राम नाम की प्रचंड लहर के चलते अब कांग्रेस नेता, समर्थक और मौडिया का



एक वर्ग यह साबित करने में जुटा है कि राम मंदिर में कांग्रेस का भी योगदान है। जबकि जमीनी सद्दाई यह है कि, कांग्रेस ने राम के नाम पर धिनीनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। राम मंदिर केस में कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि अयोध्या मामले की जांच को कोर्ट 2019 के आम चुनाव तक टाल दे। 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुष्टता साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है।

हिंदू विरोध की भावना कांग्रेस के डीएनएम में है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने पहली लोकसभा में 1955-56 में हिंदू कोड बिलस पास किए। इस बिल को लेकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच राजनीतिक मतभेद उत्पन्न हो गया था। इसकी एक बड़ी वजह दोनों का धर्म को लेकर रवैया था। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता। 1991 में लागू किया गया यह प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट कहलाता है कि 15 अगस्त 1947

से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। यह कानून तब लाया गया जब राम मंदिर आंदोलन अपने चरम सीमा पर पहुंचा था। इस कानून की परिधि से अयोध्या की राम जन्मभूमि को अलग रखा गया है। कांग्रेस के बनाए कानूनों के चलते ही वर्तमान में ज्ञानवापी, भोजशांता और मथुरा आदि हिंदू आस्था के स्थलों को वापस पाने लिए हिंदू समाज कानूनी लड़ाई लड़ रहा है।

कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल घटक दलों के कई नेता राम मंदिर और सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानबाजी करते हैं। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पूरे हिंदू समाज को अखरती है। इससे यह संदेश भी जाता है कि अर्नगल बयानबाजी करने वालों को आलाकमान का समर्थन और मूक सहमति प्राप्त है। वास्तव में, सोमनाथ से अयोध्या तक कांग्रेस का चरित्र बिल्कुल भी बदला नहीं है।

18वीं लोकसभा के गठन के लिए आम चुनाव हो रहे हैं। इंडी गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव नवरात्रि के प्रथम मछली खाने का वीडियो बड़ी बेशर्मी से पोस्ट करते हैं। इससे पहले बीते साल सावन के महीने में राजद नेता लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव ने कांग्रेस से प्रतिहिता राहुल गांधी के साथ मटन बनाने को वीडियो शेयर किया था। इन वीडियो पर राजद, कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दल भले ही कोई तर्क दें, वास्तव में उनका मकसद हिंदू समाज को अपमानित करने का है। मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस, राजद,

तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल किस स्तर तक नीचे गिरेंगे, इसका आप अंदाजा नहीं लगा सकते।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत विपक्ष के तमाम दल और नेता शामिल नहीं हुए। कांग्रेस राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर को भाजपा और आरएसएस को इवेंट बताती रही। लेकिन जमीन सद्दाई यह है कि कांग्रेस समेत विपक्ष ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाकर वहीं गलती की है, जो गलती कभी पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस वक्त नेहरू सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन में नहीं गए थे। असल में मुस्लिम तुष्टिकरण कांग्रेस के एजेंडे में प्रथम स्थान पर है। उसके एजेंडे में न सोमनाथ था और न ही अयोध्या है।

राममंदिर किसी की आस्था पर आक्रमण नहीं, भारत की अस्मिता से जुड़े प्रश्नों का उत्तर नहीं है। राम मंदिर के निर्माण से संपूर्ण विश्व में रचता बसता हिंदू समाज आह्लादित है। न्यायालय के बाद भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए हिंदू समाज ने दिल खोलकर सहयोग किया। यह ऐतिहासिक सहयोग इस बात का साक्षात् प्रतीक है कि हिंदू समाज इस घड़ी के लिए चिर प्रतीक्षित था। आज अयोध्या में जो भव्य राम मंदिर संसार की शोभा बढ़ा रहा है, वो संसार भर के हिंदुओं की आस्था, एकता, अखण्डता, श्रद्धा, मान्यता और संकल्प का सर्वोच्च पवित्र प्रतीक है। इस रामनवमी को हिंदू समाज अपने आराध्य भगवान श्रीराम के पूजन वंदन के समय अपने पूर्वजों के संघर्ष और बलिदान को भी अवश्य स्मरण करना चाहिए। इसी दिन के लिए तो निहत्थे राम भक्तों ने अपने सीने पर गोलियां खाई थीं। जिस सरयू में आज हम और आप स्नान ध्यान और आचमन कर रहे हैं, उसका जल किसी समय राम भक्तों के रक्त से लाल हुआ था। इसी दिन के लिए तो हमारे पूर्वजों ने धैर्य पूर्वक हिंदू विरोधी सरकारों से राजनीतिक लड़ाई लड़ी। न्यायालय में अपना पक्ष तथ्यों और साक्ष्यों के साथ प्रस्तुत किया। किसी भी स्तर पर उतावलापन, उतेजना और अधीरता का प्रदर्शन नहीं किया। इस घमंड या अहंकार में भी नहीं आए कि हम बहुसंख्यक हैं। वास्तव में, राम मंदिर के लिए संघर्ष संपूर्ण हिंदू समाज की सहमतिशीलता, धैर्य और कानून के प्रति आदर के उच्च भाव को दर्शाता है। वो अपने संकल्पों पर अडिग रहता है। बड़ी से बड़ी बाधा को वो कानून और नैतिकता के सीमा में रहकर ही पार करता है।

इस रामनवमी को एक दीपक उन सभी नाम अनाम शहीद कार सेवकों और राम भक्तों के नाम का भी अवश्य प्रज्वलित करना चाहिए जिन्होंने राम मंदिर आंदोलन में अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया। उन्हें महान बलिदानियों के स्वयं के कारण आज बालक राम भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हो पाए हैं। रामनवमी के शुभ अवसर पर भगवान सूर्य अपने प्रकाश से बालक राम का तिलक करके अखिल विश्व को यह संदेश देगे कि लाखों षडयंत्रों, अन्याय और अत्याचारों के बावजूद सनातन धर्म का मस्तक झुकाना नहीं जा सकता।

महत्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor: Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act). Group Editor: Shreekrant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No. RNI No. : TNHN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वेबिाह, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वर स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उदाचारों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा वार्ता पत्र नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदायी नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री केवल अमीरों की मदद कर रहे हैं : राहुलगांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोशिकाड/वायनाड। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को चुनावी बॉण्ड को एक प्रकार की जबरन वसूली बताते हुए इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और उन पर देश के कुछ कारोबारियों के खिलाफ उद्योग-धमकाने के तरीके अपनाने का आरोप लगाया। गांधी ने आरोप लगाया, हर छोटे शहर या गांव में कुछ लोग होते हैं जो शारीरिक मुकसान पहुंचाने की धमकी देकर सड़कों पर पैसे वसूलते हैं। मलयालम में आप इस जबरन वसूली को 'कोला आदिकल' कहते हैं, लेकिन मोदी इसे चुनावी बॉण्ड कहते हैं। जैसा आम चोर सड़कों पर करते हैं, वैसा प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कर रहे हैं।

वायनाड लोकसभा सीट पर अपने प्रचार अभियान के दौरान कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा मील केंद्र सरकार चुनिंदा कारोबारियों को निशाना बनाने के लिए अलग तरीके अपना रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर देश के कुछ उद्योगपतियों की मदद करने का भी आरोप लगाया।

वायनाड से मौजूदा सांसद गांधी ने कहा, चुनावी बॉण्ड के स्तर पर, ये धमकियां बड़ी नफासत से दी जाती हैं। ईडी, सीबीआई और आयकर के लोग आएं, पृच्छा करें और अंत में



वे कहेंगे कि आप इसे (उनका व्यवसाय) अडाणी को क्यों नहीं दे देते? उन्होंने आरोप लगाया कि इसी तरह अडाणी को मुंबई का हवाई अड्डा इसके पिछले मालिक से मिल गया।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि अन्य मामलों में इस तरह के उद्योग-धमकाने के तरीकों के कारण उद्योगपतियों ने चुनावी बॉण्ड के जरिये भाजपा को पैसा दिया। उन्होंने चुनावी बॉण्ड के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी के हाल के एक साक्षात्कार का उल्लेख किया। गांधी ने कोशिकाड जिले के कोडियाथुर में अपने रोडशो में शामिल पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और भारी भीड़ को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, अपने साक्षात्कार में, वह धरती पर सबसे बड़े

मुख्यमंत्री शिंदे सलमान के आवास गए, सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सलमान खान के बांद्रा स्थित आवास के बाहर हुई गोलीबारी के सिलसिले में दो लोगों की गिरफ्तारी के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मंगलवार को बांद्रा स्थित आवास के आस-पास पर गए और उन्हें सुरक्षा मुहैया कराए जाने का आश्वासन दिया। शिंदे ने संवाददाताओं से कहा कि गोलीबारी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मुंबई पुलिस आयुक्त को खान और उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया है। शिंदे ने कहा, मैंने सलमान खान को आश्वासन दिया है कि सरकार उनके पीछे खड़ी है और उनकी सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि मुंबई में कोई भी ऐसी हरकत करने की हिम्मत न करे। यहां बांद्रा इलाके में स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में खान के आवास के बाहर रविवार सुबह गोलीबारी की घटना के बाद से आरोपी विकी गुप्ता (24) और सागर पाल (21) फरार थे। दोनों बिहार के रहने वाले हैं। शिंदे ने कहा, पुलिस जांच कर रही है और सच्चाई सामने आ जाएगी। पुलिस पता लगाएगी कि घटना के पीछे कौन है। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शिंदे के साथ पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी, उनके बेटे एवं कांग्रेस विधायक जीशान सिद्दीकी और शिवसेना नेता राहुल कनाल भी खान के आवास पर आए।

नामांकन



मैनपुरी में लोकसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार डिंपल यादव ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में अपने पति और पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और अन्य सपा नेताओं की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया।

वृन्दावन में 70 मंजिला गगनचुंबी मंदिर से भारतीय पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : इस्कॉन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। इस्कॉन के एक शीर्ष पदाधिकारी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के वृन्दावन में भगवान श्री कृष्ण का गगनचुंबी मंदिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संस्कृति के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा और भारत में पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। ग्लोबल हरे कृष्णा मूवमेंट के उपाध्यक्ष और इस्कॉन बंगलुरु के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंचलपति दास ने पीटीआई-भाषा को दिये गये एक साक्षात्कार में कहा कि आध्यात्मिकता के लिए कोई टूटा-फूटा बुनियादी ढांचा नहीं हो सकता और मंदिर हमेशा जर्जर स्थिति में नहीं रह

सकते। वृन्दावन हेरिटेज टॉवर 70 मंजिला और 210 मीटर होगा, जो आठ करोड़ अमरीकी डालर की लागत से बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'इस बारे में मैं आपको एक और उदाहरण देता हूं। हमारे माननीय प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने एक बयान में कहा है कि विदेशों में रह रहे भारतीय प्रवासियों से एक आह्वान कर रहे हैं। कृपया अमेरिका से पांच अमेरिकियों को भारत लाएं और उन्हें भारत दिखाएं। जब आप उन्हें भारत लाएंगे तो निश्चित रूप से जो कोई भी दुनिया के किसी भी हिस्से से भारत आता है तो वह आध्यात्मिकता की तलाश में होता है। दास ने निर्माणधीन वृन्दावन हेरिटेज टॉवर के बारे में कहा, 'जब वे भारत आएं तो निःसंदेह वे अच्छे हवाई अड्डे और मंदिर हमेशा जर्जर स्थिति में नहीं रह

दिलचस्प भी हैं और होनी भी चाहिए। वे आध्यात्मिकता की भी तलाश में होंगे। अब ऐसे में हमारे पास विदेशियों को भारत लाने और उन्हें दिखाने के लिए आध्यात्मिक बुनियादी ढांचा, धार्मिक बुनियादी ढांचा होना चाहिए, जिन पर आप गर्व कर सकें। जब आप उन्हें वृन्दावन लाएंगे, तो आपको कृष्ण के संदेश पर निर्मित इस प्रकार का विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा निर्मित होना चाहिए और इसलिए यह एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य है।' दास ने कहा कि वृन्दावन हेरिटेज टॉवर एक अष्टकोणीय संरचना है जिसमें उत्तर इकाई, दक्षिण इकाई, पूर्व इकाई और पश्चिम इकाई हैं। उन्होंने कहा कि ये चार मंदिर हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में आवास सुविधाएं होंगी, जो पर्यटकों के अनुभव को अच्छा बनाएंगी।



'हीरामंडी' के लिए ऋचा चड्ढा ने मीना कुमारी की 'पाकीजा' से ली प्रेरणा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा अपनी अपकमिंग स्ट्रीमिंग सीरीज 'हीरामंडी' के डायमंड बाजार' को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इसकी तैयारी के लिए उन्होंने फेमस एक्ट्रेस मीना कुमारी से प्रेरणा ली। सीरीज में ऋचा वेश्या लड़की की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि सदाबहार क्लासिक 'पाकीजा' में मीना कुमारी के शाहीबजान के किरदार से उन्होंने प्रेरणा ली। उन्होंने मीना कुमारी के चरित्र को साहिबजान

और लड़को के बीच समानताएं दर्शाते हुए अध्ययन किया। किरदार के लिए अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए ऋचा ने कहा, "सीरीज 'हीरामंडी' की शूटिंग से पहले 'पाकीजा' में मीना कुमारी जी के किरदार को ध्यान से देखना और उससे सबक लेना मेरे लिए वास्तव में समृद्ध और गहराई से बदलने वाला अनुभव था। 'पाकीजा' में मीना कुमारी के किरदार में एक दुखद गहराई और जटिलता है जो शो में मेरे द्वारा निभाए गए किरदार लड़को से मेल खाती है। मैंने मीना जी के काम का अध्ययन करते हुए

कभी-कभी नकल करने की हद तक आवाज और उच्चारण पर काम किया।" उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगा जैसे मैं एक रिनिमाई दिग्गज के नक्शेकदम पर चल रही हूं और लड़को के किरदार को ध्यान से मीना कुमारी जी को श्रद्धांजलि देना सम्मान की बात थी। 'हीरामंडी' - द डायमंड बाजार' लेखक संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज है, जो वेश्याओं की दुनिया पर प्रकाश डालती है। यह सीरीज एक मर्डर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

कपिल शर्मा ने माता वैष्णो देवी मंदिर में आशीर्वाद लिया

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन सुपरस्टार कपिल शर्मा ने शुभ नवरात्रि के दौरान आशीर्वाद लेने के लिए सोमवार को श्री माता वैष्णो देवी मंदिर पहुंचे। कॉमेडियन-अभिनेता-गायक को लाल और क्रीम रंग का प्रिंटेड कुर्ता पायजामा पहने देखा गया। उन्होंने मंदिर में अपने प्रशंसकों के साथ तस्वीरें खिंचीं। अभिनेता-कॉमेडियन को इन दिनों स्ट्रीमिंग शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में देखा जा सकता है, जिसमें कृष्णा अभिषेक, राजीव ठाकुर, कीर्ति शारदा और अर्चना पूरन सिंह भी हैं। इस शो ने हवाई

जहाज पर झगड़े के सात साल बाद कपिल और सुनील शोवर को फिर से एकजुट किया है। शो लॉन्च से पहले सुनील ने अपने शो के सेट पर मीडिया से बात की। उन्होंने उनके और कपिल के बीच की लड़ाई का मजाक उड़ाया, जिसने सात साल पहले मनोरंजन उद्योग में तूफान ला दिया था। सुनील ने मजाक में मीडिया को बताया कि उस समय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म देश में अपनी पैठ बना रहे थे, इसलिए उन्होंने और कपिल ने सोचा कि टेलीविजन सामग्री को ओटीटी बंडलिंग पर बंदत दिलाते या बेहतर बनाने के लिए वे क्या कर सकते हैं।

नृत्य



जोरहाट में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्ढा ने मंगलवार को असम के जोरहाट जिले में लोकसभा चुनाव से पहले एक चुनाव प्रचार रैली में कलाकारों के साथ नृत्य किया।

सिद्धार्थ से मिलने से पहले मैंने कभी शादी के बारे में नहीं सोचा था : विद्या बालन

मुंबई/एजेन्सी



फेमस बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन ने एक आदर्श रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने पति सिद्धार्थ रॉय कपूर से मिलने से पहले कभी शादी के बारे में नहीं सोचा था। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और पद्मश्री से सम्मानित भारतीय सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस में से एक विद्या बालन ने 2012 में फिल्म निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर से शादी की थी। यह पूछे जाने पर कि उनके अनुसार, एक आदर्श रिश्ते का मंत्र क्या है, विद्या ने आईएनएस को बताया, मुझे नहीं लगता कि कोई मंत्र है। कम से कम मुझे तो यह पता नहीं चला... मंत्र हर रिश्ते के लिए अलग-अलग होता है। कोई आपके कान में ये मंत्र नहीं बताएगा। हर रिश्ते का अपना एक अलग मंत्र होता है। रिश्तों को लेकर विद्या की समझ विकसित हुई है। उन्होंने कहा, "शादी के 12 साल और डेटिंग के वर्षों के दौरान रिश्तों के बारे में मेरी समझ बदल गई है। शादी के बारे में मेरी समझ बढ़ी है। मैं उनमें से नहीं हूँ जिसने शादी से पहले उसके बारे में सोचा हो।" उन्होंने आगे कहा, इन सालों ने मुझे सिखाया है, और मुझे यकीन है कि गुजरते समय के साथ मैं रिश्ते को समझना और विकसित करना जारी रखूंगी। हालांकि, विद्या ने रिश्ते को स्वस्थ रखने के लिए एक बात शेयर की। विद्या ने कहा, "एक बात जो मैं निश्चित रूप से जानती हूँ वह यह है कि किसी जोड़े के बीच रिश्ते में, चाहे वह विषमलैंगिक हो या समान-लिंग वाला हो, आप किसी तीसरे व्यक्ति को शामिल नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा, "मेरा मतलब सिर्फ अफेयर से नहीं है, बल्कि किसी अन्य रिश्तेदार या दोस्त से भी है। ये रिश्ता सिर्फ दो लोगों के बीच का है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैंने वर्षों से समझा है। विद्या अब अपनी आगामी फिल्म 'दो और दो प्यार' की तैयारी कर रही हैं, जो 19 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म में प्रतीक गांधी, इलियाना डिक्रूज और सोनिल राममूर्ति भी हैं।



दिल छू गया राजकुमार राव की अपकमिंग फिल्म का गाना 'तू मिल गया'

मुंबई/एजेन्सी

राजकुमार राव की आने वाली फिल्म 'श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने' का पहला गाना 'तू मिल गया' सामने आया है। इस ट्रैक में प्यार के एहसास का अनुभव होता है।

गाने का म्यूजिक शानदार है। इसमें राजकुमार और अलाया एक की प्यार भरी केमिस्ट्री देखी जा सकती है। इस ट्रैक को सिंगर जुबिन नोटियाल और तुलसी कुमार ने गाया है। इसे तनिष्क बागची ने कंपोज किया है। इस गाने में फिल्म

के मुख्य किरदार राजकुमार राव और अलाया एक के बीच प्यार पनपते हुए दिखाया गया है। तुषार हीरानंदानी ने निर्देशन में बनी यह फिल्म इंडस्ट्रियलरिट श्रीकांत बोला की बायोपिक है। इस फिल्म में ज्योतिका और शरद केलकर भी हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म टी-सीरीज फिल्मस और चॉक एन चीज फिल्मस प्रोडक्शन एलएलपी के बैनर तले भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और निधि परमार हीरानंदानी द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 10 मई को रिलीज होने वाली है।



फिल्म 'रंग दे बसंती' 7 जून को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की बहुचर्चित भोजपुरी फिल्म 'रंग दे बसंती' 07 जून को रिलीज होगी। फिल्म के निर्माता रौशन सिंह ने बताया कि सेंसर बोर्ड के प्रॉब्लम के बाद अब यह फिल्म रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है।

फिल्म अपने ऑरिजिनल नाम के साथ ही 07 जून को पैन इंडिया सिनेमाघरों में होगी। इस फिल्म को फिल्म पैमाने पर रिलीज किया जा रहा है, फिल्म मल्टीप्लेक्स में भी दिखाई देगी। उन्होंने बताया कि

अभी देश भर के मल्टीप्लेक्स और सिंगल स्क्रीन में इस फिल्म का ट्रेलर चल रहे हैं, जो पहली बार हुआ है, जब बॉलीवुड फिल्मों के बीच में ट्रेलर चल रहा है। यह फिल्म 250 से ज्यादा स्क्रीन में पैन इंडिया रिलीज होने वाली है। फिल्म रंग दे बसंती के निर्माता रौशन सिंह और सह निर्माता शर्मिला आर सिंह हैं। निर्देशक प्रेमांशु सिंह हैं। इस फिल्म में खेसारीलाल यादव, रति पांडे और डायना खान के साथ अमिताभ भट्टाचार्य, फिरोज खान और मास्टर रूबन यादव राज प्रेमी, मीर सरवर, अमित तिवारी,

समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैश, ज्योति कलश, संजय महानंद, रीना रानी, श्रद्धा नयल, सुजान सिंह, सोनू पांडेय, रितु चौहान, रिकू भारती, नेहा पाठक, खुशबू यादव, संजय वर्मा, अखिलेश कुमार अक्की, सूर्या द्विवेदी, निकिता भारद्वाज और चाहत प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मनोज कुशवाहा ने लिखी है। संगीतकार ओम झा हैं। गीतकार प्यारेलाल यादव, अरविंद तिवारी, राकेश निराला, डॉ कृष्णा एन शर्मा और सत्य सावरकर हैं। डीओपी वरसु, कोरियोग्राफर रिकी गुप्ता, कला राजीव शर्मा का है।



मोदी एक विश्व नेता है, उन्हें चुनकर देश को मजबूती प्रदान करना है : अन्नमलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। कोयंबटूर संसदीय क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार और भाजपा प्रदेश

अध्यक्ष अन्नमलाई ने मंगलवार को सुलूर क्षेत्रों में चुनाव प्रचार किया। अन्नमलाई ने चेलाकारिचल, अप्पानायकनपट्टी, पम्पपट्टी, कलापलायम में चुनाव प्रचार किया तथा भाजपा के पक्ष में समर्थन मांगा। उनके चुनाव प्रचार में बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित थे।

अपने प्रचार में अन्नमलाई ने कहा कि मैं ऐसी जगह पर प्रचार करना अपमानजनक मानता हूँ, जहाँ 1972 में किसानों के लिए बिजली दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले किसानों की जान चली गई और वे शहीद हो गए। उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियों को

गिनाते हुए मोदी को सक्षम विश्व नेता बताया। उन्होंने कहा कि लोगों को यह बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह चुनाव एक ऐसे प्रधानमंत्री को चुनने का चुनाव है जो देश पर शासन कर सके। इस बार उन्होंने कहा कि 400 से ज्यादा सांसद चुनकर मोदी को प्रधानमंत्री बनना है।



आरवाईए कॉस्मो एलिट का शपथ ग्रहण सम्पन्न विनेश संखलेचा ने ली अध्यक्ष पद की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय आरवाईएएस कॉस्मो एलिट का एक पंचसितारा होटल में 11वां स्थापना समारोह 'तरंग एक नया सात' का आयोजन किया गया जिसमें 95 से अधिक जोड़ों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अभिनेत्री शरलिन सेठ और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध व्यापारी भरत चोरडिया उपस्थित थे।

पूर्व अध्यक्ष विक्रम घोड़ा द्वारा स्वागत भाषण दिया गया और सचिव अशोक खबिया द्वारा पिछले वर्ष किए गए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का

संचालन कीर्तिकुमार और स्नेहा खोंचा ने किया। नवनिर्वाचित कार्यकारी सदस्यों के शपथ ग्रहण में विनेश संखलेचा को अध्यक्ष, राजेंद्र खतोड को सचिव और अनिल भंसाली को कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया। प्रोजेक्ट चेयरमैन के रूप में दिलीपकुमार चंदन, दिनेशकुमार दर्डा, उपाध्यक्ष पराग चोवटिया व राज रांका, संयुक्त सचिव के रूप में विकास कोठारी व आशीष ललवानी सहित अरिहंत कुमार बोकाडिया, प्रशांत कानूंगा, गौरव श्रीश्रीमाल, वसंत झांबर, राजेश पीचा, अरुण जैन, प्रशांत चंदन, अरविंद झारवाल रोक कोठारी ने संबंधित पद की जिम्मेदारी संभाली।

कार्यक्रम में एलीट सदस्यों और बर्बां द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक टीम के समन्वयक स्मिता कानूंगा, प्रीति बागमार, प्रियंका चोरडिया, सपना छाजेड, नीतेश छाजेड, निकिता बोकाडिया, कुलदीप चोरडिया, राकेश मुथा, अशोक खबिया और मनीष बागमार आदि ने व्यवस्था संभाली।

मानवसेवी व जीवदया के कार्य के लिए डीसी जैन मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर में अनेक परोपकारी सेवा कार्य करने वाले, जीवदया व पशु कल्याण के लिए हमेशा प्रयासरत हैंड्रेड फॉर हेलप ग्रुप के संस्थापक डीसी जैन को मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह एक होटल में सम्पन्न हुआ जिसमें भारत में एशिया के डायोरिस के संस्थापक और अध्यक्ष, दि मोस्ट आरटी आरवी डॉ. पीएम एबेनेजर और दि लिंकन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के संस्थापक और अध्यक्ष राजदत्त डॉ. के. जोसेफ इलनथेंडल आदि ने जैन को यह मानद सम्मान दिया। ज्ञातव्य है कि जैन वर्ष 1998 से मानवसेवी व जीवदया के कार्य करते आ रहे हैं।



उन्होंने पुराने कपड़े इकट्ठा करने और अनाथालयों और जरूरतमंदों के लिए धर्मार्थ कार्यक्रम आयोजित करने जैसे कार्यों से अपनी मानवसेवा की शुरुआत की। परिणामस्वरूप हैंड्रेड फॉर हेलप ट्रस्ट की स्थापना हुई, जो पशु कल्याण और बुजुर्गों के लिए सहायता सहित विभिन्न परोपकारी प्रयासों के लिए समर्पित है।



आरवाईए के 62वें अध्यक्ष नियुक्त हुए सुधीर जैन नई कार्यकारिणी समिति ने संभाला पदमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थान युथ एसोसिएशन (आरवाईए) के तवावधान में 62वें स्थापना दिवस समारोह में जैन एस. सुधीर के नेतृत्व में नई कार्यकारिणी समिति ने कार्यभार संभाला। समारोह के मुख्य अतिथि एमएम एक्सपोर्ट्स के संस्थापक हंसराज मुथा थे। मुख्य अतिथि व पूर्व अध्यक्ष श्रेयांस सेठिया ने सुधीर को तिलक लगाकर अध्यक्ष पद पर स्थापित किया। मुख्य अतिथि के अलावा डा. ज्ञान जैन, लूणकरण सेठिया, शातिलाल चोरडिया, प्रवीण टाटिया, वीके झंवर, सुनील सेठिया ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामना दी।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष जैन एस. सुधीर ने अपने पहले अध्यक्षीय भाषण में कहा कि आरवाईए एक बहुत ही पुरानी व गौरवशाली संस्था है। ऐसी गौरवशाली संस्था का अध्यक्ष बनना उनके लिए बहुत सम्मान की बात है। उन्होंने कहा आरवाईए द्वारा संचालित बुक बैंक से हजारों छात्र लाभान्वित होकर उच्च पदों पर नियुक्त हो रहे हैं।

आरवाईए और उसकी ग्रुप संस्थाओं में एक हजार सदस्य जुड़े हुए हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस जिम्मेदारी को निभाने में वे कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। इस मौके पर इस वर्ष के लोगो शान का अनावरण किया गया। सुधीर ने अपनी नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा की, जिसमें भरत एस. चौरडिया को सचिव, अशोककुमार जैन को कोषाध्यक्ष, ज्ञानेश जैन को उपाध्यक्ष, राजेश श्रीश्रीमाल को सहसचिव पद एवं अभिषेक छाजेड, अरविन्द लोडा, आशीष जैन, हरीश मुथा, प्रफुल्ल मुथा, प्रकाश जैन, राजेंद्र बोकाडिया, संजय तेलिसरा, सतीश चौरडिया, सुनील सखलेचा, दिलीप जैन, दिनेश बोहरा, विनय सुराणा, श्रेयांस सेठिया एवं विकास सुराणा को कार्यकारिणी समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया। आरवाईए मेट्रो, आरवाईए कॉस्मो, आरवाईए मेट्रो स्टार, आरवाईए कॉस्मो इलाइट आरवाईए डायमंड के पदाधिकारियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई दी। स्थापना समारोह के प्रभारी अरविन्द पुनमिया, कला भंडारी व संजय तलेसरा ने मंच संचालन किया। अंत में सचिव भरत चोरडिया ने धन्यवाद दिया।



तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के वालीबॉल टूर्नामेंट सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन चेन्नई शाखा द्वारा डीजी वॉलबल महाविद्यालय में आयोजित वालीबॉल टूर्नामेंट में 16 टीमों के 144 खिलाड़ियों के साथ 60 साल उम्र से अधिक के 27 खिलाड़ियों ने भी अपना दमखम दिखाया।

प्रतियोगिता में एजी जैन स्पोर्ट्स क्लब विजेता रही तो राजस्थान स्पोर्ट्स क्लब उपविजेता बनी। सम्मेलन के अध्यक्ष विजय गोयल ने सबका स्वागत किया व महामंत्री मुरारीलाल संथोलिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्य अतिथि व टी-शर्ट्स के प्रायोजक सुभाष रांका ने विचार व्यक्त किए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रजत के अध्यक्ष प्रवीण

टाटिया ने विजेता टीमों को शुभकामनाएं दी। इस टूर्नामेंट के प्रायोजक प्रमोद अभिषेक बाफना व राजू जालान रहे। चेयरमैन राधेश्याम भूँडडा, सहचेयरमैन पीआर छलानी, मार्गदर्शक अशोक भूँडडा, उपाध्यक्ष अशोक केडिया, अशोक लखोटिया, कोषाध्यक्ष मोहनलाल बजाज, अजय नाहर, अनुराग माहेडरी आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।



डायनेमिक फ्रेंड्स चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सफल गौशाला कार्यक्रम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के डायनेमिक फ्रेंड्स चैरिटेबल ट्रस्ट ने चेन्नई पण्यचेरी स्थानीय गौशाला में खजांची ज्वेलर्स द्वारा प्रायोजित गौसेवा का कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें 120 सदस्यों ने भाग लिया। गौशाला परिसर के

कार्यकर्ताओं ने लोगों को गो-संरक्षण के महत्व और हिंदू संस्कृति में गाय के पालन का महत्व समझाया। सदस्यों ने गायों को अनेक खाद्य सामग्री का वितरण किया तथा गौशाला में गायों के लिए अनेक सामग्री उपलब्ध कराई। शैलेश-पिकी भंडारी एवं कुलदीप-कल्पना टांडी द्वारा जल पात्र का वितरण किया गया। ट्रस्ट

के अध्यक्ष अरविंद बागरेचा ने उपस्थित सदस्यों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर ट्रस्ट के मंत्री विनोद जैन, कोषाध्यक्ष अनिल लुणावत, कमेटी सदस्य अनिल भंडारी, विनोद पीपाडा, रमेश चौधरी, दीपक भंडारी सहित संयोजक टीना कोठारी, मुकेश मोदी, सोनिया भंडारी, अरुण जैन, नरेश कोठारी ने गौसेवा की।

साध्वीश्री सुधाकरवर्जी ने अपनी सहयोगी साध्वियों के साथ मंगलवार को कोयंबटूर आराधना भवन से विहार कर राजेंद्र विनोद तरावट के निवास तुडीयलूर पहुंची। कोयंबटूर स्थानकवासी जैन संघ के देवराज रांका, राजेश कुमार गादिया आदि अनेक युवाओं ने विहार सेवा का लाभ लिया। बुधवार को सतीश्वंद का विहार तुडियलूर से परिश्रनायकन पालयम होने की संभावना है। शुक्रवार तक मेडुपालयम पहुंचने की संभावना है। जहां रविवार को श्रमण भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक उत्सव रूप में तप, त्याग व सामूहिक स्वाध्याय से मनाया जाएगा।



विशेष उपलब्धियां प्रदान करने वाले को जीतो साउथ चैट्टर ने किया सम्मानित 'प्रारंभ एक नई अवधि' पुरस्कार समारोह का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। जीतो बेंगलूर साउथ की ओर से 'प्रारंभ एक नई अवधि' पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जेबीएन ट्रेडसेक्टर में अपने कार्य योगदान से संस्था के उद्देश्य को गति व प्रगति दी की उन्हें सम्मानित किया गया। इस समारोह में गत छह महीने के दौरान जेबीएन ट्रेडसेक्टर, ट्रेडसेक्टर यूनिफॉर्म, ट्रेडसेक्टर अचीवर्स की उपलब्धियों को सराहा गया। आर्थिक सशक्तिकरण, शिक्षा व सेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं और ट्रैनेर्स ने व्यवसाय को दस गुना बढ़ाने के संदर्भ में चर्चा की। जेबीएन के तीनों वर्गों में नए सदस्यों को औपचारिक रूप से जोड़ा गया। इसके अलावा

1500 से अधिक वन-टू-वन मीटिंग, दो हजार से ज्यादा रेफरल भी दर्ज हुए इस मौके पर ट्रेडजीनी के सीओओ त्रिवेश ने अपने अनुभव के आधार पर अनेक पहलुओं पर चर्चा कर मुख्य रूप से कारोबार वृद्धि में सरकारी योजनाओं और आधुनिक तकनीक का सुचारु लाभ उठाने की बात पर जोर दिया गया। विशेष अतिथि के रूप में शार्क टैंक इंडिया में प्रतिभागी तथा जेबीएन ट्रेडसेक्टर अचीवर्स मंच नागौरी के साथ प्रशोत्तरी के माध्यम से उनके सफल सफर को जाना।

जीतो साउथ के चेयरमैन दिनेश बोहरा ने संस्था के आर्थिक सशक्तिकरण के लक्ष्य पर जोर दिया और कहा कि जेबीएन उस उद्देश्य की पूर्ति में भगीरथ प्रयास कर रहा है। संस्था के मुख्य सचिव दीपक श्रीश्रीमाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर लेडीज विंग की चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने

विमैन्स रेफरल चैट्टर के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। मुख्य सचिव मोनिका पिराल ने भी विचार प्रस्तुत किए। विविध वर्गों में दिए गए पुरस्कारों में विक्रम बागरेचा, विकास कटारिया व ऋषभ सिंघवी (सर्वाधिक बिजनेस गिवर), विकास भंसाली, शुभम रांका, ऋषभ सिंघवी (सर्वाधिक मेंबर इंडवशन), विक्रम बागरेचा, अजित नाहटा, विक्रम भंसाली (सर्वाधिक रेफरल दाता), मोहित जैन, अजित नाहटा, यश भंडारी (सर्वाधिक वन-टू-वन) की श्रेणी में सम्मानित किया। कार्यक्रम में केकेजी जोन चेयरमैन अशोक सालेचा, उप चेयरमैन अशोक गजानन, उदय जैन, दिलीप कोठारी, संजय भंडारी, नरेश निबजिया, गणपतलाल बागरेचा, राजेश इसरानी, मनोज कोचर सहित अनेक पदाधिकारियों उपस्थित थे। विक्रम बागरेचा व राजेश भंसाली ने धन्यवाद दिया।

जागरुकता दक्षिण भारत राष्ट्रमत



बेंगलूर के अशोक सोशियल वेलफेयर एसोसिएशन गांधीनगर द्वारा अन्नमा देवी पूजा महोत्सव में विशेष अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि राष्ट्र का मतदाता राष्ट्र का भाग्य विधाता होता है इसलिए इस लोकसभा चुनाव में सभी को बढचढ कर मतदान करना ही चाहिए।

आमंत्रण दक्षिण भारत राष्ट्रमत



बेंगलूर के जैन युवा संगठन के अध्यक्ष जैन महेंद्र बागरेचा के नेतृत्व में मंत्री मदन मुणोत, सहमंत्री विशाल गुगलिया, कोषाध्यक्ष मुकेश सुराणा, पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिंदेसरा, अतिथि आमंत्रण समिति चेयरमैन कुशल झंगरवाल, सहचेयरमैन सुनील लोडा, सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी व पूर्व अध्यक्ष सज्जनम मेहला ने बेंगलूर मध्य सांसद पी सी मोहन व बेंगलूर के पूर्व मेयर गौतम मकाणा से मुलाकात कर 21 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में आयोजित श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। सदस्यों ने दोनों राजनेताओं को महोत्सव की जानकारी दी। मोहन व गौतम ने संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए कार्यक्रम में शामिल होने का आश्वासन दिया।



अवनी बनी मायुम जागृति की नई अध्यक्ष, रिंतु बनी सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। शहर के महाराजा अग्रसेन भवन में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूर शाखा की नई कार्यकारिणी समिति के शपथ

ग्रहण समारोह में महिला विंग 'जागृति' का पुनर्गठन किया गया। वरिष्ठ सदस्य सुशीला गोयल ने मारवाड़ी युवा मंच की महिला शाखा जागृति का पुनर्गठन करते हुए अवनी सरांफ को अध्यक्ष पद, नेहा टेकरिया को उपाध्यक्ष पद, रिंतु शर्मा को सचिव पद एवं अन्य

13 महिला सदस्यों को कार्यकारिणी समिति पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्य शाखा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू, सचिव शुभम लोहिया एवं कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल मौजूद रहे।